हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-22, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, मंगलवार 02 जुलाई 2024

एएनएम सेंटर से संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत हरी...02

आदिवासी क्षात्रों का प्रशिक्षण ...06

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार का विजन पत्र होता है: खडगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में प्रतिपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार का विजन पत्र होता है, लेकिन इसमें ऐसा कुछ नहीं है। श्री खडगे ने सदन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने संबोधन में कहा कि पिछले 10 वर्षों में सर्वव्यापी मुद्दों को नजरअंदाज किया गया है और इस बार नारा दिया गया अबकी बार 400 पार। संविधान बदलने की बात की जाने लगी, तब इंडिया समूह ने संविधान बचाने की मुहिम शुरू की। संविधान रहेगा तभी लोकतंत्र भी रहेगा और चुनाव भी होगा। लोगों ने विशेषकर गरीब, युवा और महिलाओं ने यह महसूस किया कि लोकतंत्र और संविधान को बचाना है, तभी 400 पार नहीं 200 पार पर रोक दिया। उन्होंने कहा कि संसद परिसर में विभिन्न स्थलों पर महापुरूषों की प्रतिमाएं लगायी गयी थी, जिन्हें अब एक ही कोने में लगा दिया गया है।

एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव मिले

अलीराजपुर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के एक गांव में आज एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव मिलने की घटना के बाद सनसनी फैल गयी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार राउड़ी गांव में एक मकान में पांच लोगों के शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव मकान में फांसी के फंदे पर लटके हुए पाए गए। मृतकों की पहचान राकेश, उसकी पत्नी ललिता, पुत्री लक्ष्मी, पुत्र अक्षय और प्रकाश के रूप में हुयी है। सूत्रों ने प्रारंभिक पड़ताल के हवाले से कहा कि सुबह मकान में किसी व्यक्ति के पहुंचने पर दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद शंका होने पर सूचना पुलिस को दी गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खुलवाया, तो मकान में पांचों सदस्यों के शव मिले। पुलिस ने मामले को जांच में ले लिया है।

लद्दाख में सैन्य अभ्यास में जान गंवाने वाले सैनिकों को राज्यसभा ने दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा ने लद्दाख में सैन्य अभ्यास के दौरान जान गंवाने वाले पांच सैनिकों के साथ ही हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मारे गये ईरान के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी, ईरान के विदेश मंत्री डॉ. हुसैन मीर अब्दुल्लाहियान, तंजानिया के पूर्व राष्ट्रपति अलहज अली हसन मविनी और मलावी के उप राष्ट्रपति डॉ. सुलोस कॉल्स चिमिला को सोमवार को श्रद्धांजलि दी। सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को इस संबंध में जानकारी दी। इसके बाद सदस्यों ने सदन में मौन खड़े होकर इन सभी को श्रद्धांलजि दी। लद्दाख में टैंक को नदी के पार ले जाने के अभ्यास के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सेना के पांच बहादुर सैनिकों की मौत हो गयी थी। इससे पहले सदन में सदस्यों अब्दुल वाहब, एलामारम करीम, श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक और वी विजयसाई रेड्डी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गयी।

500 करोड़ के क्लब में शामिल हुयी कल्कि 2898 एडी

मुंबई, एजेंसी। बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी ने चार दिनों में वर्ल्डवाइड 555 करोड़ की कमाई कर ली है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित फिल्म कल्कि 2898 एडी 27 जून दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुयी है।'कल्कि 2898 एडी' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। इस फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। कल्कि 2898 एडी% का डंका देश के साथ विदेश में भी बज रहा है।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश

बाढ़ के समय जन-धन की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता, अलर्ट मोड में रहें सभी जिले

बाढ़ राहत कंट्रोल रूप 24 घंटे सक्रिय रहें

योगी ने निर्देश दिया कि राज्य स्तर और जिला स्तर पर बाढ़ राहत कंट्रोल रूप 24म7 एक्टिव मोड में रहें। उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो मुख्यालय द्वारा बाढ़ से प्रभावित जनपदों में 113 बेतार केंद्र अधिष्ठापित किए गए हैं। पूरे मॉनसून अवधि में यह केंद्र हर समय एक्टिव रहें। बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति पर रेग्युलर मॉनीटरिंग की जाती रहे। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी फ्लड यूनिट तथा आपदा प्रबंधन टीमें 24म7 एक्टिव मोड में रहें। आपदा मित्र स्वयंसेवकों के साथ-साथ होमगार्डों की सेवाएं भी ली जानी चाहिए। किसकी तैनाती कब और कहां होनी है, इस बारे में कार्ययोजना तैयार कर लें। सभी एजेंसियों के बीच बेहतर कोऑर्डिनेशन होना चाहिए। नौकाएं और राहत सामग्री आदि के प्रबंध समय से कर लें। बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में देर न हो। प्रभावित परिवारों को हर जरूरी मदद तत्काल उपलब्ध कराई जाए। नौका बड़ी हो। छोटी नौका और डोंगी का प्रयोग कतई न हो। नौका सवार सभी लोग लाइफ जैकेट जरूर पहने हुए हों। बाढ़ के दौरान और बाद में बीमारियों के प्रसार की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य किट तैयार करके जिलों में पहुंचा दिया जाए। क्लोरीन टैबलेट, ओआरएस आदि की उपलब्धता होनी चाहिए। बुखार आदि की पर्याप्त दवा उपलब्ध हो। सर्प दंश की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सकीय मदद मिलनी चाहिए। बाढ़ के दौरान जिन गांवों में जलभराव की स्थिति बनेगी, वहां पशुओं की सुरक्षा के भी प्रबंध होने चाहिए। उचित होगा कि बाढ़ के समय पशुओं को अन्यत्र कहीं सुरक्षित स्थान पर रखा जाए। निराश्रित गोआश्रय स्थलों में पशु चारे की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। पशुओं का टीकाकरण समय से कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत जारी तैयारियों की समीक्षा की और व्यापक जनहित में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में व्यापक जन-धन हानि के लिए दशकों तक कारक रही बाढ़ की समस्या के स्थायी निदान के लिए विगत 7 वर्षों में किए गए सुनियोजित प्रयासों के अच्छे परिणाम मिले हैं। बाढ़ की दृष्टि से अति संवेदनशील जिलों की संख्या में अभूतपूर्व कमी आई है। विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार हमने आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग कर बाढ़ से खतरे को न्यूनतम करने में सफलता पाई है। बाढ़ से जन-जीवन की सुरक्षा के लिए अंतरविभागीय समन्वय से अच्छा कार्य हुआ है। इस वर्ष भी बेहतर कोऑर्डिनेशन, क्रिक एक्शन और बेहतर प्रबन्धन से बाढ़ की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाढ़ की दृष्टि से 24 जनपद अति संवेदनशील श्रेणी में हैं। इसमें महाराजगंज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, बस्ती, बहराइच, बिजनौर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, गोण्डा, बलिया, देवरिया, सीतापुर, बलरामपुर, अयोध्या, मऊ, फर्रुखाबाद, श्रावस्ती, बदायूं, अम्बेडकर नगर, आजमगढ़, संतकबीर नगर, पीलीभीत और बाराबंकी शामिल हैं। जबकि सहारनपुर, शामली, अलीगढ़, बरेली, हमीरपुर, गौतमबुद्ध नगर, रामपुर, प्रयागराज, बुलन्दशहर, मुरादाबाद, हरदोई, वाराणसी, उन्नाव, लखनऊ, शाहजहांपुर और कासगंज संवेदनशील प्रकृति के हैं। अति संवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ की आपात स्थिति हेतु पर्याप्त रिजर्व स्टॉक का एकत्रीकरण कर लिया जाए। इन स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था एवं आवश्यक उपकरणों का भी प्रबन्ध होना चाहिए। जल शक्ति मंत्री एवं दोनों राज्य मंत्री द्वारा अति संवेदनशील तथा संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण करें, साथ ही बाढ़ बचाव से जुड़ी परियोजनाओं का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार इस वर्ष पर्याप्त वर्षा होगी। नेपाल और उत्तराखंड की सीमा से लगे जनपदों में सतर्कता बनाए रखें। आमजन की सुविधा और राहत एवं बचाव कार्य के बेहतर प्रबंधन के लिए बाढ़ बुलेटिन और मौसम का पूर्वानुमान नियमित रूप से जारी किया जाना चाहिए। भारतीय मौसम विभाग, केंद्रीय जल आयोग, केंद्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ प्रदेश के सिंचाई एवं जल संसाधन, गृह, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सिंचाई एवं जल संसाधन, खाद्य एवं रसद, राजस्व एवं राहत, पशुपालन, कृषि, राज्य आपदा प्रबन्धन, रिमोट सेन्सिंग प्राधिकरण के बीच बेहतर तालमेल हो। केंद्रीय एजेंसियों और विभागों से सतत संवाद-संपर्क बनाए रखें। यहां से प्राप्त आंकलन और अनुमान रिपोर्ट समय से फील्ड में तैनात अधिकारियों को उपलब्ध कराया जाए। नदी के किनारे बसे आवासीय इलाकों और खेती की सुरक्षा में नदियों का चैनेलाइजेशन उपयोगी सिद्ध हो रहा है। अम्बेडकर नगर, बलरामपुर, बाराबंकी, सीतापुर और श्रावस्ती में जारी ड्रेनेज एवं चैनेलाइजेशन की परियोजनाओं को समय से पूरा कराएं।

बिना विलंब किसानों की क्षतिपूर्ति की जाए

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अतिवृष्टि के कारण जिस भी किसान की फसल खराब हो, बिना विलंब उसकी क्षतिपूर्ति कराई जाए। इसके अलावा, किसानों को मौसम पूर्वानुमान से अवगत कराते हुए खेती-किसानी के लिए अनुकूल परिस्थितियों के बारे में जागरूक करें। बरसात के कारण निर्माण परियोजनाओं पर होने वाले असर के दृष्टिगत पहले से आवश्यक प्रबंधन कर लिया जाना चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बिजली के पोल, तार, सड़क आदि समय से ठीक कर लिए जाने चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जन-धन की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2024 में बाढ़ से सुरक्षा के लिए समय से तैयारियां की गई हैं। अति संवेदनशील के रूप में चिन्हित 17 जनपदों के 37 तटबंधों का अनुरक्षण कार्य पूरा कर लिया गया है। सभी अतिसंवेदनशील तटबंधों पर प्रभारी अधिकारी और सहायक अभियन्ता नामित किये जा चुके हैं। तटबन्धों पर क्षेत्रीय अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा लगातार निरीक्षण एवं सतत निगरानी भी की जा रही है।

केजरीवाल ने सीबीआई की गिरफ्तारी को दिल्ली उच्च न्यायालय में दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। आबकारी नीति 2021-22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई) कथित घोटाला मामले के आरोपी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दी गई गिरफ्तारी और विशेष अदालत के केंद्रीय जांच एजेंसी को उन्हें हिरासत में देने के आदेश के साथ ही गिरफ्तारी को उचित बताते की टिप्पणी के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल बंद आरोपी श्री केजरीवाल को 26 जून को औपचारिक तौर पर सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें इस केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद विशेष अदालत ने सीबीआई के अनुरोध पर शनिवार 29 जून को उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने सीबीआई की ओर से श्री केजरीवाल की हिरासत बढ़ाने की मांग नहीं करने और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आग्रह के बाद यह आदेश पारित किया था। सीबीआई की ओर से दलील दी गई थी कि केजरीवाल एक प्रभावशाली राजनेता हैं। वह हिरासत में नहीं रहने पर सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

राउरकेला स्टील प्लांट में जहरीली गैस रिसाव, 8 कर्मचारी हुए बीमार

नयी दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा में सरकारी स्वामित्व वाली सेल के राउरकेला इस्पात संयंत्र से सोमवार को कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के रिसाव के बाद कम से कम आठ लोग बीमार पड़ गए। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब ब्लास्ट फर्नेस में रखरखाव का काम चल रहा था। बीमार पड़े श्रमिकों को इलाज के लिए पास के इस्पात जनरल अस्पताल (आईजीएच) ले जाया गया। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इनमें एक कार्यकारी, एक वरिष्ठ पर्यवेक्षक, एक अन्य आरएसपी कर्मचारी और कुछ आउटसोर्स कर्मचारी शामिल हैं। स्टील प्लांट के प्रभारी निदेशक अतनु भौमिक ने बताया कि मैं उन सभी से मिला और वे ठीक हैं। इस बीच, अधिकारियों ने घटना की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। पिछले महीने एक अन्य घटना में एक नाबालिग लड़की सहित तीन लोगों की दम घुटने से मौत हो गई।

राहुल के भाषण के दौरान लोकसभा में पक्ष-विपक्ष में तीखी नोकझोंक

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य खुद के हिन्दू होने का दावा करते हैं, लेकिन हिन्दू हिंसक नहीं होता जबकि ये नफरत फैलाते हैं और हिंसा को बढ़ावा देते हैं। भाजपा ने हिन्दू धर्म पर हमले का मुद्दा उठाया और कहा कि श्री गांधी पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कह रहे हैं जो गलत है और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हस्तक्षेप किया तो सत्ता पक्ष के लोगों ने नियमों का हवाला देते हुए श्री गांधी से कहा कि उन्होंने पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहा है इसलिए उन्हें पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। श्री गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि संविधान पर तथा देश के सिस्टम पर भाजपा ने रणनीति के तहत हमला शुरु किया है। सत्ता की शक्ति का इस्तेमाल कर अल्पसंख्यकों तथा विपक्ष के सदस्यों पर हमले हो रहे हैं और उन्हें जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के इस हमले का शिकार खुद मैं भी रहा हूं। मुझे दो साल के लिए जेल भेजने का आदेश मिला, मुझे संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित किया गया, मेरा घर छीना गया और जब इस तरह के आक्रमण होते हैं तो पूरा विपक्ष संविधान विरोधी आइडिया के खिलाफ एकजुट हो जाता है। विपक्ष के नेता के इन हमलों पर सत्ता पक्ष ने हंगामा शुरु कर दिया और भारत माता के जय के नारे लगाने लगे जिस पर श्री गांधी ने कुछ देर तक चुप रहने के बाद 'जय संविधान' कह कर जवाब दिया। इसी बीच उन्होंने भगवान शिव का चित्र सदन में दिखाया, लेकिन अध्यक्ष ने उन्हें टोका तो श्री गांधी ने सवाल किया कि क्या भगवान शिव के चित्र को नहीं दिखाया जा सकता है। भगवान शिव अभय मुद्रा में होते हैं। गुरु नानक जी अभय मुद्रा में होते हैं। भगवान महावीर का अभय मुद्रा वाला चित्र भी दिखाया। उन्होंने कहा कि सब महा पुरुषों ने अहिंसा की बात की, डर मिटाने की बात की और कहा कि डरो मत डराओ मत। अभय मुद्रा का मतलब है कि डरो नहीं। उन्होंने कहा जब अन्य चित्र दिखाए जाते हैं तो भगवान शिव के चित्र को दिखाने में दिक्कत क्या है। शिव शक्ति है और त्रिशूल शक्ति का प्रतीक है और शिवजी का त्रिशूल अहिंसा का प्रतीक है, लेकिन जो लोग खुद के हिन्दू होने का दावा करते हैं वे हिंसा करते हैं और नफरत फैलाते हैं। अहिंसा हमारा प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने इस पर हस्तक्षेप किया और कहा कि विपक्ष के नेता ने पूरे हिन्दू समाज पर हिंसक होने का आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पूरे हिन्दू समाज को हिंसक नहीं कहा जा सकता है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि विपक्ष के नेता हिंसा की बात करते हैं और संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को हिंसा को किसी धर्म से जोड़ना गलत है और इस पर विपक्ष के नेता को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। सदन में नियमों का पालन होना चाहिए। भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि संविधान में किसी धर्म पर हमले की इजाजत नहीं है इसलिए विपक्ष के नेता को माफी मांगनी चाहिए।

बदलते परिदृश्य में सभी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार है सेना: जनरल द्विवेदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। नव नियुक्त सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सोमवार को देशवासियों को विश्वास दिलाया कि वे सेना को आधुनिक बनाने और स्वदेशी युद्ध प्रणालियों तथा रणनीतियों से लैस करने की हर संभव कोशिश करेंगे तथा सेना बदलते वैश्विक समीकरणों में हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। रविवार को देश के तीसवें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने वाले जनरल द्विवेदी ने सुबह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने रक्षा मंत्रालय के कार्यालय साउथ ब्लाक में सलामी गारद का निरीक्षण किया। निरीक्षण से पहले उन्होंने साउथ ब्लाक प्रांगण में सभी धर्मों के गुरूओं से मुलाकात की। बाद में उन्होंने अपनी प्राथमिकता गिनाते हुए कहा कि सेना की गौरवशाली परंपरा जवानों के बलिदान और योगदान पर आधारित है। मैं उन वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि दुनिया में बदलती परिस्थितियों के बीच उनकी प्राथमिकता सेना को स्वदेशी आधुनिक हथियारों और नए जमाने की तकनीक से लैस करके युद्ध प्रणालियों और रणनीतियों में सुधार करना है। सेना प्रमुख ने कहा कि उनकी कोशिश रहेगी कि सेना,नौसेना और वायु सेना तथा सभी अन्य हितधारकों के बीच तालमेल बढे तथा सब संघर्ष के पूर्ण स्पेक्ट्रम के तहत संचालन के लिए हमेशा तैयार रहें। उन्होंने कहा कि सेना वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने कहा, मैं सभी देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि सेना सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

अब मॉस्को में बनेगा हिंदू मंदिर, पीएम मोदी के रूस दौरे से पहले मांग तेज

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने रूस के दौरे पर रहने वाले है। ये उनके तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पहला रूस दौरा होने वाला है। इस दौरे को लेकर भारत और रूस दोनों ही देशों में उत्साह बना हुआ है। इस बीच एक और मांग तेज होने लगी है। रूस में हिंदू मंदिर निर्माण की मांग ने जोर पकड़ लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे से पहले ये मांग उठने लगी है। रूस में रहने वाले भारतीय समुदाय ने आठ जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले मॉस्को में हिंदू मंदिर के निर्माण की मांग की है। इस दिन ही यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बता दें कि मॉस्को में हिंदू मंदिर निर्माण की मांग इंडियन बिजनेस अलायंस और इंडियन नेशनल कल्चरल सेंटर की ओर से की गई है।

राहुल गांधी पर जेपी नड्डा का पलटवार, बोले झूठ और हिंदू नफरत से भरा था भाषण

नयी दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विवादास्पद बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह विरोध किया है। लोकसभा में बोलते हुए, गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों पर सच्चे हिंदू नहीं होने का आरोप लगाया और दावा किया कि वे विभाजन और हिंसा को बढ़ावा देते हैं। इसी को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर पलटवार किया है। जेपी नड्डा ने कहा कि पहला दिन, सबसे खराब प्रदर्शन! झूठ + हिंदू से नफरत = संसद में राहुल गांधी जी। नड्डा ने कहा कि तीसरी बार असफल एलओपी के पास उत्तेजित, त्रुटिपूर्ण तर्क करने की क्षमता है। उनके आज के भाषण से पता चला है कि न तो उन्हें 2024 का जनादेश (उनकी लगातार तीसरी हार) समझ में आया है और न ही उनमें कोई विनम्रता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी सभी हिंदुओं को हिंसक बताने के लिए तुरंत माफी मांगनी चाहिए। ये वही शख्स है जो विदेशी राजनयिकों को बता रहा था कि हिंदू आतंकवादी हैं. हिंदुओं के प्रति यह आंतरिक नफरत बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता अब 5 बार के सांसद हैं लेकिन उन्होंने संसदीय मर्यादाएं नहीं सीखीं और न ही उन्हें सभ्यता की समझ है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह बार-बार बातचीत के स्तर को कम कर देता है। आज सभापति के प्रति उनके वक्तव्य बहुत ख़राब थे। उनकी सत्यनिष्ठा और व्यक्तित्व पर अप्रमाणित आक्षेप लगाने के लिए वह सभापति से माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता ने हमारे मेहनती किसानों और बहादुर सशस्त्र बलों से संबंधित मामलों सहित कई मामलों में स्पष्ट रूप से झूठ बोला।

मौसम उपडेट **पूरे यूपी में छाया मानसून, भारी बारिश की चेतावनी... गोरखपुर में पांच की मौत, बढ़ी परेशानी**

25 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट, लोनावाला डैम में एक परिवार के 5 लोग बहे

देश में लगातार तीसरे साल सामान्य से कम बारिश

दो-तीन दिनों से देश के अलग-अलग हिस्सों में मूसलाधार बारिश से बीते गुरुवार (27 जून) तक जून में बारिश की जो 19 प्रतिशत कमी थी, वह रविवार (30 जून) को घटकर 11 प्रतिशत रह गई। 29 जून तक सामान्यत- 165.3 एमएम बारिश होनी चाहिए, लेकिन 147.2 एमएम बारिश हुई है। यह तीसरा वर्ष होगा, जब जून में सामान्य से कम बारिश दर्ज हुई है। 10 वर्षों में ऐसा चार बार ही हुआ है कि बारिश सामान्य से ज्यादा हुई है।

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग (आईएमडी) ने देश के 25 राज्यों में आज और अगले 5 दिन बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार, झारखंड, दक्षिण और नॉर्थ-ईस्ट के राज्य शामिल हैं। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अब देश के करीब सभी राज्यों में पहुंच गया है। अगले तीन दिन में यह राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के बाकी बचे हिस्से को भी कवर कर लेगा। जून में देशभर में 165.3 एमएम की जगह 147.2 एमएम बारिश हुई है। यह सामान्य से 11 प्रतिशत कम है। महाराष्ट्र के उत्नागिरी जिले के चिपलूण स्थित शिव नदी में मगरमच्छों की संख्या बढ़ी है। बरसात में नदी के भरने की वजह से मगरमच्छ सड़क व बस्तियों की ओर आ रहे हैं। रविवार को लोनावला में एक ही परिवार के 5 लोग भुशी डैम में बह गए। इनमें एक महिला, 13 साल की लड़की, 6 साल की 2 बच्चियां और 4 साल का एक लड़का शामिल था। तीन के शव बरामद हुए हैं। रविवार को महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश समेत कई अन्य राज्यों में भारी बारिश हुई। गुजरात में बारिश से सूरत, भुज, वापी, भरूच और अहमदाबाद में सड़कों और घरों में पानी भर गया। राजस्थान में समय से मानसून की एंट्री के बावजूद जून में बारिश का कोटा पूरा नहीं हो सका है। हालांकि, मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, अलवर, धौलपुर और दौसा में आज भारी बारिश की चेतावनी दी है। उधर, गंगानगर में बारिश नहीं होने से तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच गया।

मानसून कहां-कहां पहुंचा

दक्षिण-पश्चिम मानसून निकोबार में 19 मई को पहुंच गया था। केरल में इस बार दो दिन पहले, यानी 30 मई को मानसून पहुंचा। इसी दिन नॉर्थ-ईस्ट राज्यों को भी कवर कर लिया। फिर 12 से 18 जून तक (6 दिन) मानसून रुका रहा।

6 जून को मानसून ने महाराष्ट्र में एंट्री ली और 11 जून को गुजरात में दाखिल हुआ।

ब्याज दर में कटौती होने की उम्मीद में चढ़ा बाजार

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के इस वर्ष सितंबर से ब्याज दर में कटौती शुरू करने की एक बार से उम्मीद जगने से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, आईटी, दूरसंचार, इंडस्ट्रियल्स और टेक समेत सत्रह समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 443.46 अंक अर्थात 0.56 प्रतिशत उछलकर 79,476.19 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 131.35 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की बढ़त लेकर 24,141.95 अंक हो गया। इस दौरान दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली की रफ्तार अधिक तेज रही।

एएनएम सेंटर से संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई जागरूकता रैली

➪ मिश्रित विधायक सहित नगर पालिका परिषद सीतापुर की अध्यक्ष मौके पर रहे मौजूद

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर – जनपद सीतापुर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान दिनांक ०1 जुलाई 2०24 से 31 जुलाई एवं दस्तक अभियान दिनांक-11 से 31 जुलाई का शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव व नगर पालिका अध्यक्षा नेहा अवस्थी की गरिमामयी उपस्थित में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा ए.एन.एम. ट्रेनिंग सेंटर सीतापुर से जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. हरपाल सिंह द्वारा बताया गया कि वेक्टर जनित रोगों, संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण, इनका त्वरित व सही उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाने के लिये सम्बन्धित विभागों यथा- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास, पंचायती राज, पशुपालन, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, चिकित्सा शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कृषि एवं सिचाई उद्यान, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि आदि विभागों द्वारा समन्वितरूप से संचालित होगा। संचारी रोग नियंत्रण माह में जन- जागरूकता बढ़ाने हेतु साफ-सफाई, जन जागरूकता, हैण्ड पम्प/हैण्ड पम्प प्लेटफार्म मरम्मत, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता, ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त रखना, अध्यापकों द्वारा विद्यालयों में बच्चों में रोगों के प्रति जागरूकता, साबुन से हाथ धोना, शौचालय का प्रयोग, पर्यावरणीय स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, फ्रंटलाइन वर्कर (आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री) द्वारा दस्तक अभियान के अर्न्तगत लक्षणयुक्त व्यक्तियों का नाम पता एवं मोबाइल न. सहित सम्पूर्ण विवरण ई-कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करेंगे- बुखार के रोगियों की सूची, इन्फ्लएनजा लाइक इलनेस रोगियों की सूची, क्षय रोग के लक्षणयुक्त व्यक्तियों की सूची, कुष्ठ, फाइलेरिया, कालाजार रोगों से लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची, इसी के साथ-साथ क्षेत्रवार ऐसे मकानों की सूची जहॉ घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो, प्रपत्र पर फ्रंटलाइन वर्कर द्वारा तैयार की जायेगी। इस अभियान के दौरान समस्त विभाग अपनी अपनी निर्धारित गतिविधियों को क्रियान्वित करेंगे तथा संचारी रोग नियंत्रण के लिये दी गयी विभागीय गतिविधियों की समीक्षा प्रत्येक सोमवार को की जायेगी। विभागवार लक्ष्य के सापेक्ष शनिवार तक की गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट राज्य मुख्यालय को प्रेषित की जायेगी। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.कमलेश चन्द्रा,जिला सर्विलांस अधिकारी डा.दीपेन्द्र वर्मा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राजशेखर,जिला मलेरिया अधिकारी जितेन्द्र कुमार, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी कैलाश नाथ मिश्र,स्वास्थ्य विभाग से स्टाफ,ए.एन.एम. एवं काफी संख्या में आशा बहुएं उपस्थित थी।

नशीली दवाओं के उपयोग की रोकथाम

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता पंकज नाथ

असम - दरंग जिले को बच्चों के बीच नशीले पदार्थों और रासायिल उत्पादों के उपयोग को रोकने और उनकी अवैध तस्करी को रोकने में सफलता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिले का सम्मान प्राप्त हुआ है। कल रविवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के सहयोग से राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित एक समारोह में, दरंग के जिला आयुक्त, मुनींद्र नाथ नाटे ने इस सफलता के लिए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। कल की कार्यक्रम में यह सम्मान पाने वाला दरंग असम का एकमात्र जिला है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए, दरंग के जिला आयुक्त, मुनींद्र नाथ नाटे ने कहा, "दरंग जिले में मादक पदार्थों और रासायिल उत्पादों के उपयोग को रोकने और उनकी अवैध तस्करी को रोकने के लिए हमारे प्रयास जारी हैं। हम आज यह सम्मान पाकर बहुत खुश हैं। दरंग जिले को मिली यह मान्यता हमें इस क्षेत्र में अधिक ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ काम करना जारी रखने के लिए प्रेरित करेगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने फरवरी 2021 में बच्चों के बीच मादक पदार्थों और राग उत्पादों के उपयोग को रोकने और उनकी अवैध तस्करी को रोकने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ एक संयुक्त कार्यक्रम प्रकाशित किया था। देश भर के स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों के परिसरों के पास नशीले पदार्थों की बिक्री को रोकने के साथ बच्चों को नशे के चंगुल से बचाने के लिए % %नशे के खिलाफ जंग% शीर्षक यह कार्यक्रम तैयार किया गया था । जिला मजिस्ट्रेटों/जिला आयुक्तों को इस संयुक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी का कार्य सौंपा गया था। नशीली दवाओं के उपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अनुरूप नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के सहयोग से राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में इस एजेंडे के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता दिखाने वाले देश के कई जिलों को %सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों% के रूप में चुनकर प्रशस्ति पत्र जारी किया जाता है। इनमें दरंग जिला भी शामिल है। कल दरंग के जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नाटे ने विज्ञान भवन में जिले की इस सफलता के लिए प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया।

जाति प्रमाण पत्र से वंचित मुस्लिम बच्चों के मामले पर मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

➲ उपायुक्त चाईबासा को मिला निर्देश 8 सप्ताह के अंदर मामले पर कार्रवाई करे

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो झारखंड

पश्चिमी सिंहभूम झारखंड – जिला पश्चिमी सिंहभूम के करीब 8००० बच्चे का जाति प्रमाण पत्र खतियान पर विसंगतियां के कारण नही बन पा रहा है बच्चे व अभिभावक परेशान हाल रहे।आंचल कार्यालय के सुस्त रवैया व इच्छा शक्ति के अभाव के कारण बच्चे बेहतर शिक्षा के लिए सरकारी मदद से वंचित हो रहे थे। मानवाधिकार कार्यकर्ता बैरम खान ने इस गंभीर विषय पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाया जिस पर आयोग के निर्देश पर सलाहकार (कानुन) के खलील अहमद ने उपायुक्त पश्चिमी सिंहभूम को आयोग के निर्देश पर कहा है कि इस विषय पर संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया जाए तथा शिकायतकर्ता को शामिल करते हुए 8 सप्ताह के अंदर कार्रवाई करके आयोग को सुचित करें। मानव अधिकार कार्यकर्ता बैरम खान ने बताया कि जिला पश्चिमी सिंहभूम में छात्र-छात्राओं को विशेष कर मुस्लिम बच्चों को

जाति प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र पारिवारिक सूची

इत्यादियों में बहुत कठिनाई हो रही है अंचल कार्यालय का सहयोग नहीं मिल रहा है पूर्व में कार्य होता था वर्तमान पदाधिकारी अंचल के पेंच लगाकर कार्य को रोक रहे हैं सबसे ज्यादा शिकायतें मुझे चाईबासा के मुस्लिम बच्चे बच्चियों का मिला है वहां के अंचल कार्यालय में सबसे ज्यादा मामला फंसाया गया है आयोग के हस्तक्षेप से उम्मीद है बच्चे बच्चियों को राहत मिलेगी।

गोईलकेरा में सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन शिविर एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो झारखंड

चाईबासा झारखंड – जिले के गोईलकेरा प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिसर में एक दिवसीय सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन शिविर एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड एवं वूमेन डॉक्टर विंग आई. एम.आई. झारखंड के सामंजस्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उपायुक्त, उप विकास आयुक्त अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर, और सिविल सर्जन के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला उपायुक्त के द्वारा मौके पर जानकारी दिया गया कि जागरूकता की मदद से हम कैसे सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बच सकते हैं। आज आयोजित कार्यक्रम में कुल 13० मरीज का सर्वाइकल कैंसर का जांच किया गया। जिसमें के कुल ०5 मरीज, के कुल ०5 मरीज, के कुल ०6 मरीज,के कुल 11 मरीज, मरी के ०० मरीज, के ०1 मरीज,०2 मरीज पाए गए हैं। 312 मरीज का आंखों की जांच की गई है, जिसमें 247 मरीज को दवाई उपलब्ध कराई गई है, 97 मरीज को उच्चतम इलाज के लिए रेफर किया गया है। 214 मरीज के की जांच की गई जिसमें सभी का जांच रिपोर्ट नेगेटिव पाया गया है। 18० मरीज का किया गया। जिसमें लैब टेस्टिंग के दौरान ०3 मरीज का रिपोर्ट पॉजिटिव पाया गया है। 11 मरीज की जांच किया गया जिसमें सभी का रिपोर्ट -वी.ई. पाया गया है। मलेरिया के जांच के दौरान 9० मरीज में बुखार पाया गया है, 9० मरीज का टेस्ट किया गया है। जिसमें ०6 पॉजिटिव पाए गए हैं। 214 मरीज का सामान्य जांच किया गया है, जिसमें 214 मरीज को दवाई दी गई है और ०6 मरीज को उच्चतम इलाज के लिए रेफर किया गया। 214 मरीज का एन.सी.डी. जांच किया गया है जिसमें बी.पी. के 2०6 मरीज पाए गए और एच.बी. के 2० मरीज, आर.बी.एस. टेस्ट 2०6 मरीज का किया गया है। 2०० मरीज का किया गया है जिसमें सभी का रिजल्ट -वी.ई. पाया गया है। 31 मरीज का दातों का जांच किया गया है। ०4 मरीजों को वैक्सीन दिया गया है। फैमिली प्लानिंग के कुल 31 मरीज को दिया गया है।एफ.पी.कमोडाइटिस आयुष्मान भारत योजना से जोड़ते हुए 64 लाभुकों को कार्ड उपलब्ध कराया गया है। आज आयोजित कार्यक्रम में कुल 1695 मरीज का विभिन्न चिकित्सा जांच किया गया है। मौके पर जिला उपायुक्त के द्वारा स्टॉप डायरिया कैंपेन का भी शुभारंभ किया गया जो जिले में आज से प्रारंभ होकर आगामी 31 अगस्त तक संचालित किया जाएगा। जिसमें सभी जिला जिला वासियों को डायरिया से बचने हेतु जागरूक किया जाएगा। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, डीएफओ पोड़ाहाट आलोक कुमार वर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी पोड़ाहाट चक्रधरपुर सुश्री रीना हांसदा, सहायक समाहर्ता अर्नब मिश्रा, कश्यप आई मेमोरियल अस्पताल से डॉ. भारती कश्यप,प्रखंड विकास पदाधिकारी गोईलकेरा विवेक कुमार सहित अन्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेस पार्टी की समीक्षा बैठक में जिला कमेटी भंग कर पुनः चुनाव करने की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो झारखंड

लोहरदगा झारखंड – लोकसभा इंडिया गठबंधन चुनाव जीत के साथ संपन्न होने के बाद लोहरदगा नगर भवन में कांग्रेस पार्टी की समीक्षा बैठक प्रदीप बालमुचू की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस

अल्पसंख्यक विभाग से जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अंसारी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक विभाग के पूरी टीम ने बैठक में शामिल होकर अपनी बातों को रखी। इस दौरान जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अंसारी ने कहा कि जिस तरह से चुनाव के दौरान अल्पसंख्यक विभाग के जिला कमेटी और परखंड कमेटी ने दिन-रात कड़ी मेहनत कर इंडिया गठबंधन के पक्ष में कार्य किया। जिसका परिणाम रहा कि चुनाव में भारी मतों से जीत मिली। इसके बाद समीक्षा बैठक में अल्पसंख्यक सहित अन्य ने एक सुर में जिला कांग्रेस कमेटी को भंग कर पुनः चुनाव करा कर संगठन को मजबूत बनाने की मांग रखी। इस बैठक में अल्पसंख्यक विंग के प्रदेश महासचिव हाजी सिकंदर अंसारी, प्रदेश महासचिव सबारत हुसैन, जिला उपाध्यक्ष कमरुल इस्लाम, उपाध्यक्ष कुद्दूस अंसारी, शरीफ अंसारी, तारीख अनवर, जिला सचिव सनाउल्लाह अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष असलम अंसारी, रशीद अंसारी, आबू ताल्हा अंसारी, हसनैन अंसारी, हलीम अंसारी, मुर्शीद अंसारी, एजाज अंसारी सहित मौजूद थे।

छिनतई का विरोध करने पर अपराधियों ने अमरदीप को मारी थी गोली: एसएसपी

● प्रेस वार्ता कर एसएसपी एचपी जनार्दन ने दी विस्तृत जानकारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता धनबाद

धनबाद – धनबाद के लॉ कॉलेज दामोदरपुर में विगत 21 जून को अमरदीप भगत की हत्या में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी एसएसपी ह्रदीप पी जनार्दनन ने अपने कार्यालय में एक जुलाई को प्रेस कांफ्रेंस आयोजन कर दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि लॉ कॉलेज के पास 21 जून को सूचना मिली कि एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। उसकी मां की शिकायत पर एक टीम का गठन किया गया है जिसका नेतृत्व सिटी एसपी अजीत कुमार ने की जिसमें डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार बिन्हा धनबाद थाना प्रभारी बैंक मोड़ थाना प्रभारी शामिल थे। जांच के दौरान सूचना प्राप्त हुआ कि आकाश जे सी मल्लिक रोड के काली मंदिर के पास रहता है। जो इस कांड में शामिल है। उनके पास देसी कट्टा भी है। उनके घर में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया और उनके निशानदेही पर देसी कट्टा को भी बरामद की गई। पूछताछ पर कांड में शामिल अपने साथ चार साथियों का भी नाम बताया। पुलिस के अनुसार आकाश से पूछताछ पर उन्होंने बताया कि रात में छिनतई करने के लिए उस लड़का के साथ कांड किया था। लड़का जब विरोध किया तो गुस्से में आकर उसको मार दिया गया।आकाश के साथ संदीप मंडल, मुकेश कुमार, विष्णु कुमार सहित उसके पांच साथियों को गिरफ्तार किया।जिनके पास से एक देसी कट्टा और एक पिस्टल को बरामद किया गया।

समीरण दत्ता बीसीसीएल के सीएमडी ने 150 युवा-युवतियों को दिये नियुक्ति पत्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता धनबाद

धनबाद - बीसीसीएल द्वारा सोमवार को परमीत फाऊंडेशन कोलकाता के साथ मिलकर एक साझा ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया था। जिसमें ट्रेनिंग उपरांत 101 युवतियों और 49 युवाओं को ट्रेनिंग उपरांत रोजगार मुहैया कराया गया। यह प्रोग्राम कूल 960 घंटे का था। ट्रेनिंग उपरांत रतन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एस बी एक्सप्रेस कार्गो लिमिटेड, वाईब्रेंट इन्फोकॉम प्राइवेट लिमिटेड, आरोहा आविष्कार , कई फाइनेंशियल ग्रुप में युवाओं ने रोजगार प्राप्त किया। सीएमडी समीरन दत्ता ने कहा कि आज काफी खुशी का समय है इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को पूरा करने वाले 100त लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया है। यह सारे बच्चे हमारे धनबाद के ही है।सी एस आर के तहत ट्रेनिंग मद में 41 लाख 74 हजार खर्च किया गया है।आगे सीएमडी ने कहा कि अभी 3 ट्रेनिंग सेंटर चल रहा है, आने वाले दिनों में इसे 10 गुना किया जाएगा ताकि यहां के लोगों को ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा मिल सके। हमारा उद्देश्य प्रोजेक्ट अफेक्ट पीपुल को डायरेक्ट इसका फायदा पहुंचाया जा सके। हमारा उद्देश्य है कि यह बच्चे सिर्फ राज्य में नहीं पूरे देश में अपना नाम को रोशन करें। आने वाले समय में यहां पर कई और केंद्र खोले जाएंगे और उत्पादन कर पूरे देश में इसका मार्केटिंग कराया जाएगा ताकि बच्चे अपना बिजनेस कर सके। इसमें बीसीसीएल सबों को पूरा सहयोग करेगी।उन्होंने आगे कहा की हम चाहते हैं कि हमारे देश का इकोनामी कम से कम 8त होना चाहिए ,ताकि दूसरे देशों के मुकाबले में हम आ सके।वहीं बीसीसीएल के डायरेक्टर पर्सनल मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता से मैं काफी मप्रसन्न हूं और आगे भी इस तरह का कार्यक्रम बीपीसीएल द्वारा होता रहेगा ताकि झारखंड और धनबाद के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मुहैया कराया जा सके। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इस तरह का कई कार्यक्रम किया गया है जिसमें हजारों बच्चे को इसका लाभ मिल चुका है और वह आज भी रोजगार कर रहे हैं।वहीं चीफ जनरल मैनेजर पर्सनल और सी एस आर, विद्युत शाह ने कहा की बहुत ही खुशी की बात है कि 150 युवा युवतीयो को रोजगार मिला है जिसमें 101 युवतियों एवं 49 युवकों को रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि रविंद्र नाथ टैगोर ने कहा था एक पुरुष को नौकरी मिलता है तो उसका विकास होता है मगर एक महिला को नौकरी मिलता है तो पूरे परिवार का विकास होता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में चीफ मैनेजर पर्सनल विद्युत शाह का काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा।साथ ही परमीत फाउंडेशन के चीफ पेट्रोन प्रसनजीत कुंडू ने कहा की बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता, डायरेक्ट पर्सनल मुरली कृष्ण रमैया, जीएम सीएसआर विद्युत शाह का युवकों को नौकरी दिलाने की इस सफलता में उनका काफी योगदान है और उम्मीद करते हैं आगे भी वह इस तरह हम लोगों को सहयोग करते रहेंगे। कहा इसमें अभिषेक बैनर्जी का भी काफी महत्वपूर्ण योगदान था।

इनमोसा ने बीसीसीएल मुख्यालय पर किया धरना प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता धनबाद

धनबाद - सुपरवाइजरी स्टाफ की विभिन्न मांगों को लेकर इनमोसा के बैनर तले बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन के समक्ष एक दिवसीय धरना - प्रदर्शन का आयोजन किया गया ।वहीं मिडिया को जानकारी देते हुए इनमोसा के उपमहामंत्री कुश कुमार सिंह ने कहा कि सुपरवाइजरी स्टाफ के चार्ज अलाउंस में बढ़ोतरी, सेंट्रल अस्पताल में माइनिंग सरदार व ओवरमैन को केबिन की सुविधा मुहैया कराने व कोल इंडिया की सभी समितियों में इनमोसा को शामिल करने की मांग काफी लंबे समय से किया जा रहा है। इसपर सकारात्मक पहल नहीं हो रही है इस कारण इनमोसा ने आंदोलन का निर्णय लिया है। धरना-प्रदर्शन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सोमवार को संगठन के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कोयला भवन पहुंचे हैं। प्रवक्ता ने कहा बीसीसीएल हमारी मांगों को जल्द नहीं मानती तो इससे भी उग्र आंदोलन होगा।

एक बार फिर चली तबादला एक्सप्रेस

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता कन्हैया कुमार सिंह

जमुई बिहार - पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ई. आलोक कुमार ठाकुर का सरकार ने तबादला कर दिया है। उन्हें पटना सिटी पथ प्रमंडल का कार्यपालक अभियंता बनाया गया है। वहीं ई. अखिल कुमार जमुई पथ प्रमंडल के नए कार्यपालक अभियंता होंगे। ई. कुमार वर्तमान में बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड में सहायक अभियंता के पद पर पदस्थापित हैं। सरकार ने उन्हें जमुई पथ प्रमंडल का कार्यपालक अभियंता बनाया है। वे शीघ्र प्रभार ग्रहण करेंगे। उल्लेखनीय है कि ई. आलोक कुमार ठाकुर का जमुई में कार्यपालक अभियंता के रूप में कार्य काफी सराहनीय रहा। उन्होंने अपने कार्यकाल में जमुई जिला में सरकार के निर्देशानुसार कई-पुल पुलियों और सड़कों का कार्य पूरा किया जो जनहित में अत्यंत लाभकारी प्रतीत हो रहा है। उनके अचानक स्थानांतरण से विभागीय अभियंताओं , कर्मियों और संवेदकों में उदासी छा गई है। लोग उनके बेहतर कार्यकाल का उदारता के साथ गुणगान कर रहे हैं।

चाईबासा में जिंक एंड ओआरएस कॉर्नर का हुआ उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो झारखंड

चाईबासा झारखंड - सदर अस्पताल चाईबासा में जिंक एंड ओआरएस कॉर्नर का उद्घाटन डॉक्टर मीना कलुन्डिया के द्वारा किया गया । जिसमें डॉ बरियल मार्डी, डॉ गगन हेंब्रम, अस्पताल प्रबंधक आशीष कुमार एवं अन्य अस्पताल कर्मी उपस्थित थे। डॉ मीना कलुन्डिया के द्वारा बताया गया कि बरसात के मौसम, मौसमी बीमारी साथ में लाते हैं जिसमें डायरिया एवं डिसेंट्री प्रमुख है। इसलिए राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला अस्पताल चाईबासा में भी ओआरएस एंड जिंक कॉर्नर की शुरुआत की जा रही है जिससे आए हुए मरीजों के बीच ओ आर एस एवं जिंक के टैबलेट का वितरण किया जा सके।डॉ बरियल मार्डी ने ओआरएस और जिंक टेबलेट का कैसे इस्तेमाल करना है वह मरीजों को बताया और बरसात के मौसम में उन्हें अपना और अपने परिवार जनों का कैसे ख्याल रखना है इसकी भी जानकारी दी गई।

कसमंडा में आरआरआर सेंटर का हुआ उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले के विकास खण्ड कसमण्डा की ग्राम पंचायत कसमण्डा में आरआरआर सेंटर की शुरुआत की गई। जहां घरों से निकलने वाले बेकार वस्तुओं को रिड्यूस, रिव्यू व रिसाइकिल किया जाएगा। सोमवार को खण्ड विकास अधिकारी प्रशांत शुक्ल ने फीता काटकर सेन्टर का उद्घाटन किया। सोमवार को ग्राम पंचायत कसमण्डा में आरआरआर सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद कहा कि जरूरतमंदों व गरीब तबके के लोगों के लिए सरकार की यह पहल काफी सराहनीय है, जहां पर घरों में पुराने या बेकार पड़े कपड़े, बर्तन, जूता, खिलौना आदि वस्तुएं दी जाती हैं और जरूरतमंद लोग यहां से अपने प्रयोग की वस्तुओं को ले जाते हैं। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी पंचायत ब्रम्भ नारायण शर्मा ग्राम पंचायत अधिकारी नीतू वर्मा इंजीनियर सुधाकर प्रधान प्रियंका प्रधान प्रतिनिधि संतराम यादव आदि लोग मौजूद रहे।

कमलापुर कस्बे से अमरनाथ यात्रा के लिये एक सैकडा से ऊपर शिवभक्तों का जत्था रवाना

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - बाबा अमर नाथ बर्फानी के उद्घोष के साथ कमला पुर कस्बे से एक सैकडा से ऊपर शिव भक्तों का जत्था सोमवार को देवों के देव महादेव की पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन के लिये रवाना हुआ।वहीं शिव भक्तों ने योगी तेरा रूप निराला , अमर नाथ में डेरा डाला के जयकारों के बीच परिजनो ने शिवभक्तों को तिलक लगाकर जत्थे को रवाना किया। शिवभक्त सुशांत विश्वास ने बताया कि कमलापुर क्षेत्र से आयुष तिवारी सत्यदेव शुक्ल रजनीश पाण्डेय श्यामू शुक्ल, पकज सिंह बब्बलू सिंह चौहान श्रीकेशन गुप्ता प्रमोद जायसवाल शेखर शर्मा, सरगम ,शिवशकर बैकुण्ठ मण्डल,नरायाण मण्डल आशीम विश्वास अनुज त्रिपाठी सहित एक सैकडा से ऊपर शिवभक्तों का जत्था बाबा अमरनाथ बर्फानी के दर्शन के लिये प्रस्थान कर रहा है।सभी श्रृद्धालु लखनऊ से ट्रेन के जरिये जम्मू काश्मीर पहुंचेगा। वहां वेस शिविर में विश्राम के बाद बस से बालटाल पहुचेगा,जहां पैदल यात्रा करते हुये बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा पहुंचेंगे वहां पर भक्तगण बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन कर अपने जीवन को धन्य करेंगे।

चिकित्सा दिवस पर हरिहरगंज सीएचसी के चिकित्सको को अंग वस्त्र देकर किया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो झारखंड

हरिहरगंज झारखंड - सीएचसी में सोमवार को भाजपा नेता सह समाजसेवी चंदन प्रजापति द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस के अवसर पर एमबीबीएस डॉ गोपाल प्रसाद, संजीवनी हॉस्पिटल के संचालक डॉ अरविंद कुमार सहित अन्य चिकित्सा कर्मियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री चंदन प्रजापति ने कहा कि धरती पर ईश्वर की अवधारणा के रूप में डॉ है। चिकित्सकों को धरती का भगवान कहा जाता है। कहा कि देशभर में चिकित्साको के योगदान को सम्मान देने के लिए 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। चिकित्सकों ने भी अपने सम्मान के लिए आए हुए समाजसेवियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा प्रखंड मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, ओबीसी मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष विवेक कुमार पटेल, डॉक्टर तोहिद अंसारी आदि मौजूद थे।

सामाजिक उपन्यास चाक सी नाचती जिंदगी सहित दो अन्य पुस्तकों का लोकार्पण सम्पन्न हुआ

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता लखनऊ

लखनऊ – युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच (पंजीकृत न्यास ,दिल्ली) आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान ,हैदराबाद केंद्र (शिक्षा मंत्रालय ,भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दिवसीय द्वितीय दक्षिण भारतीय हिंदी साहित्योत्सव , के अन्तर्गत केन्द्रीय हिन्दी संस्थान हैदराबाद इकाई के सभागार, सभागार में, युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच,उप्र के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजेश कुमार श्रेयस के सामजिक उपन्यास चाक सी नाचती जिंदगी सहित दो अन्य पुस्तको का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ इस अवसर पर युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच के केंद्रीय अध्यक्ष श्रीराम किशोर उपाध्याय का व्यंग संग्रह दस हाथ वाला आदमी % व्यंग्य संग्रह एवं मंच की आंध्र – तेलंगाना इकाई की अध्यक्षा डॉ रमा द्विवेदी कृत % खंडित यक्षिणी % कहानी संग्रह का भी लोकार्पण किया गया द्य इसी अवसर पर युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच की केंद्रित इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश के मंच के महासचिव श्रीनन्दकिशोर वर्मा जी को जल एवं पर्यावरण के क्षेत्र में किए जाने वाले योगदान के लिये उत्कृष्ट समाज सेवक सम्मान भी प्रदान किया गया द्य जिसे मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश कुमार सिंह श्रेयस ने ग्रहण किया द्य इस दक्षिण भारतीय साहित्योत्सव एवं लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो गंगाधर वानोडे ,क्षेत्रीय निदेशक ,केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद ने किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो ऋषभदेव शर्मा ,परामर्शी (हिंदी) दूरस्थ शिक्षा निदेशालय ,मौ. आ. उर्दू विश्वविद्यालय ,हैदराबाद ,विशिष्ट अतिथि डॉ अहिल्या मिश्र , वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाज सेवी, विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश शुक्ल ,राष्ट्रीय महासचिव (युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच) सम्माननीय अतिथि डॉ. सुरभि दत्त (पूर्व प्राचार्या, हिंदी महाविद्यालय ,हैदराबाद) सम्माननीय अतिथि डॉ. राशि सिन्हा, साहित्यकार एवं सम्माननीय विशिष्ट अतिथि रामकिशोर उपाध्याय , आईआरएएस(से. नि.) राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच ,) की गरिमामयी उपस्थिति रही 7 हैदराबाद की वरिष्ठ कवयित्री श्रीमती विनीता शर्मा जी को क्लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान % से केंद्र के द्वारा अलंकृत किया गया तथा कुछ अन्य साहित्यकारों को भी सम्मानित किया गया 7 कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव सिंह क्नयन % ने किया द्य इस आशय की जानकारी देते हुए युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच के प्रचार एवं प्रसार सचिव राम राज भारती ने बताया कि लखनऊ के साहित्यकार राजेश कुमार सिंह श्रेयस के अब तक प्रकाशित आठ साहित्यिक कृतियों के अतिरिक्त यह दूसरा सामाजिक उपन्यास है द्य श्रेयस की इस उपलब्धि पर युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच के प्रांतीय महासचिव श्री नंदकिशोर वर्मा जलदूत सहित समस्त मंच सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है द्य

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन वृक्षारोपण व केक काटकर मनाया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ – समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 52 वें जन्मदिन अवसर पर सोमवार को सरोजनीनगर के बेहटा गांव में आशीष यादव बीडीसी के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया। वहीं बंथरा के लतीफ नगर में जिला पंचायत सदस्य कैप्टन यादव के कार्यालय पर केक काटकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर चंद्रशेखर यादव, बचान सिंह यादव, आशीष यादव, जितेंद्र यादव गुड्डू ज़िला पांसयत सदस्य, कैप्टन यादव सदस्य ज़िला पंचायत, अजीत यादव, इंद्रेश यादव, राम अवतार धीमान, राजा रावत, ललित रावत आयुष पटेल व करन यादव सहित तमाम सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिलेश यादव के 52 जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण अभियान चलाया

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ – समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव के 52 वें जन्मदिन के अवसर पर प्रदेशव्यापी वृक्षारोपण अभियान के तहत विधानसभा क्षेत्र सरोजनी नगर के तपोवन नगर चिल्लावां में मदरसा सिरताजुल के प्रांगण में आधा दर्जन वृक्षों को लगा कर मनाया गया इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष लोहिया वाहिनी शशिलेंदर यादव, जिला उपाध्यक्ष लोहिया वाहिनी मेराज खान मानू, पूर्व पार्षद पति किशन यादव दादा, लल्लू यादव, जिला सचिव तबरेज खान, साहबान खान, आमिर, सिब्बू , शिवम् गोलू,दिलीप विश्वकर्मा, जिब्रान , मेहनाज खान, गुलफाम , विनोद कुमार, सुजीत समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे उपस्थित लोगों ने माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की दीर्घायु की कामना की।

सोहरामऊ के कंपोजिट विद्यालय में मां के नाम एक पौधा कार्यक्रम अंतर्गत किया गया पौधारोपण

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता लखनऊ

लखनऊ – कंपोजिट विद्यालय सोहरामऊ नवाबगंज उन्नाव में मां के नाम एक पौधा नामक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवाबगंज के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह एवं सोहरामऊ के प्रमुख समाजसेवी हरिकेश सिंह सेंगर, खंड शिक्षा अधिकारी, नवाबगंज इंदिरा कुमारी तथा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका स्नेहिल पांडे एवम विद्यालय के सभी शिक्षकों ने वृक्षारोपण कर की। इसके साथ ही प्रवेश उत्सव का बच्चों के मस्तक पर रोली चंदन का तिलक लगाकर स्वागत-शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधान शिक्षक ओम शुक्ला ,रचना तिवारी, ममता, कृष्णा तिवारी, रेनू, सूची, रश्मि, राजकुमारी , जनिता,एआरपी, आशुतोष सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी नवाबगंज इंदिरा कुमारी द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि , नवाबगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह उपस्थित हुए, जिन्होंने वृक्षारोपण तथा नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर विद्यालय में स्वागत किया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष एआरपी नवाबगंज आशुतोष सिंह, तथा समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम आयोजक डॉ. स्नेहिल पांडेय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ आई.ए.एस. मनोज कुमार सिंह को उ.प्र. का मुख्य सचिव बनाए जाने पर अटेवा प्रतिनिधिमंडल ने दी बधाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वरिष्ठ आई.ए. एस. अधिकारी कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह को उ.प्र. का मुख्य सचिव बनाये जाने पर अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर बधाई दी और मुख्य सचिव को हाल ही में उ.प्र. के मार्च 2005 तक विज्ञापन वाले कर्मचारियों व शिक्षकों को पुरानी पेंशन बहाली का शासनादेश जारी किये जाने पर आभार प्रकट करते हुए आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इसी प्रकार उ.प्र. सरकार कर्मचारियों व शिक्षकों को के पुरानी पेंशन समेत अन्य मुद्दों पर सकारात्मक फैसले करेगी। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से सचिवालय संघ के अध्यक्ष अर्जुनदेव भारती, प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ. राजेश कुमार, संजय यादव अध्यक्ष सहायक समीक्षा अधिकारी संघ आदि सम्मिलित रहे।

एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम को शुभकामनाएं दी

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता

हल्द्वानी – एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू सदस्य प्रीति आर्या के नेतृत्व में संस्था माध्यम से टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय क्रिकेट टीम के वर्ल्ड कप जीतने पर संस्था पदाधिकारियों ने हल्द्वानी में तिरंगा झंडा लहराकर भारत माता की जयकारों के साथ हर्ष उल्लास मनाकर भारतीय क्रिकेट टीम सहित देशवासियों को वर्ल्ड कप जीत की मंगलमय शुभकामनाएं दी इस दौरान एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू सदस्य मनीष साहू ने संयुक्त रूप से कहा कि भगवान के आशीर्वाद से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी 20 वर्ल्ड कप जीतकर पूरे भारत देश को नई उमंग उत्साह के साथ खुशी से भर दिया है जिसके लिए भारतीय क्रिकेट टीम की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने लगभग हारे हुए मैच को अपने शानदार प्रदर्शन से जीत में परिवर्तन कर दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर विजयी विश्व तिरंगा प्यारा विश्व में लहराकर क्रिकेट जगत के इतिहास में स्वर्णिम कीर्तिमान स्थापित कर भारत का नाम विश्व में रोशन किया है जो युगों युगों तक भारतीय क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का मार्ग बना रहेगा इस शानदार ऐतिहासिक जीत के लिए भारतीय क्रिकेट टीम सहित सभी देशवासियों को मंगलमय शुभकामनाएं इस दौरान हर्ष उल्लास मनाकर शुभकामनाएं देने में एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू उपाध्यक्ष लोकेश कुमार साहू महामंत्री चिरौंजी लाल प्रीति आर्या समाजसेवी हेमन्त साहू सूरज मिस्त्री दीपक कुमार सुशील राय मनीष साहू निखिल कुमार सुशीला देवी नवल आर्या रितिक साहू रोहतास प्रजापति अंकित वाल्मीकि राजवीर सिंह करण बिष्ट निलेश गुप्ता अमन कुमार सूरज कुम्हार मुकेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे

दीवार गिराने से मना करने पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ – बिजनौर के परवर पूरब गांव निवासी महिला निर्मला ने गांव के ही रविंद्र के खिलाफ दीवार गिराने और मना करने पर गाली गलौज, धक्का मुक्की व मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। निर्मला का कहना है कि बीती 12 अप्रैल को उसकी पुरानी दीवार पर काम चल रहा था। तभी शाम करीब 5 बजे वहां पहुंचा रविंद्र उस दीवार को गिराने लगा। पीड़िता ने मना करते हुए विरोध किया तो आरोपी ने उसे ईट से मारने की कोशिश की और गाली गलौज करने लगा। पीड़िता ने अपने परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद उसका बेटा करन पहुंचा और उसने विरोध किया तो आरोपी धक्का मुक्की करने के साथ ही गाली गलौज करते हुए मारपीट पर आमादा हो गया। पीड़िता का आरोप है कि रविंद्र काफी दबंग किस्म का व्यक्ति है, जिसकी वजह से वह घबराई हुई है। फिलहाल बिजनौर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

दिव्यांग जनों की सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा: डीएम अंकित कुमार अग्रवाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता लखनऊ

बिजनौर महात्मा विदुर कलेक्ट्रेट सभागार में दिव्यांगजनों की समस्याओं के निदान तथा उनसे प्राप्त शिकायतों एवं प्रत्यावेदनों का समयबद्ध निस्तारण किये जाने के सम्बन्ध में फ्रजिला दिव्यांगजन बन्धुफ्र, जिला प्रबंधकीय समिति (डी०एन०टी०), जिला दिव्यांगता समिति तथा जिला स्तरीय पुरस्कार समिति एवं विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यू०डी०आई०डी०) की बैठक का अयोजन सोमवार को जिलाधिकारी बिजनौर अंकित कुमार अग्रवाल व मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा की अध्यक्षता में महात्मा विदुर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने दिव्यांग जनों की समस्याओं को लेकर जिला अधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल व जिले के अधिकारियों को अवगत कराया कि दिव्यांगों की सबसे बड़ी जरूरत इस समय रोजगार है उन्हें रोजगार से जोड़ा जाए तथा उन्हें ऋण उपलब्ध करा जाए तथा जो शिक्षित दिव्यांग है उनको संविदा पर रखा जाए, दिव्यांग जनों की समस्या के निस्तारण हेतु हर थाने पर एक सब इंस्पेक्टर स्तर के की तैनाती की जाए तथा दिव्यांग की समस्या का 24 घंटे के अंदर निस्तारण किया जाए, डूडा विभाग तीसरी मंजिल विकास भवन में कार्यरत है उसे नीचे लाया जाए,सभी बैंकों में दिव्यांग जनों की सुविधा के लिए रैम्प तथा व्हीलचेयर की सुविधा की जाए, दिव्यांग जनों का कार्यालय विकास भवन में ही शिफ्ट किया जाए, हर सोमवार को सीएमओ कार्यालय में दिव्यांग जनों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने का कैंप का आयोजन किया जाता है वहां पर मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है मानसिक रोग विशेषज्ञ ना होने के कारण दिव्यांग जनों को मेरठ या मुरादाबाद जाना पड़ता है आने जाने में उनको काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है कृपया यहां पर मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की तैनाती की जाएं,सभी सरकारी कार्यालयों व नगर पालिका, नगर पंचायत में दिव्यांग जनों की सुविधा के लिए रैम बनवाएं जाएं, उन्होंने कहा कि सीएमओ कार्यालय बिजनौर में हर सोमवार को लगने वाला दिव्यांग बोर्ड जिसमें दिव्यांग जनों के सर्टिफिकेट बनते हैं वहां पर दलाल प्रवृत्ति के लोग दिव्यांगों से अवैध वसूली करते हैं तथा उनसे पैसे लेते हैं वहां पर असामाजिक दलाल प्रवृत्ति के लोगों पर रोक लगाई जाए,सभी गरीब दिव्यांग जनों के सरकारी आवास, अन्तोदय कार्ड,आयुष्मान कार्ड बनाए जाए,जिला उद्योग केंद्र एवं खादी ग्रामोद्योग पर दिव्यांगों की ऋण आवेदन मंजूर कर बैंकों को भेजे जाएं। जिला अधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल व मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा ने दिव्यांग जनों की समस्याओं को निस्तारण के लिए जिले के आला अधिकारियों को निर्देशित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा को भी आश्वासन दिया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा,जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी,जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी,लीड बैंक अधिकारी,क्षेत्रीय प्रबंधक,जिला सेवायोजन अधिकारी आदि अधिकारीगण व राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा आदि मौजूद रहे।

समाचार

जन-जन की है यही पुकार, पेड़ पौधों से हो धरती गुलजार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - वृक्ष धरा का हैं आभूषण के तहत पौधरोपण की मुहिम जिले भर में सोमवार को भी जारी रही। विभिन्न संस्थानों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,परिसर शहीद कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय के पैतृक गांव में पौधरोपण के प्रति प्रकृति प्रेमियों में उत्साह देखते ही बन रहा है। हर किसी ने इस अभियान को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए सराहा और इस मुहिम में जन सहभागिता पर जोर दिया मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरिपाल सिंह ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए पौधरोपण व इनका सुरक्षा जरूरी है। समाज को इस दिशा में सकारात्मक प्रयास करने होंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य अधीक्षक अरविन्द बाजपेई डॉ. कामरान एस पी सिंह,अतुल शर्मा झब्बू लाल विनोद आदि ने सुरक्षा का संकल्प लिया।

विवाहिता ने ससुराल जानों पर मारपीट व उत्पीड़न की दर्ज कराई रिपोर्ट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - सरोजनीनगर के बेहसा में रहने वाली महिला कैसर जहां ने अपने पति मोहम्मद कदीर, सास रेहाना खातून और ससुर अब्दुल रशीद के खिलाफ मारपीट, महिला उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कैसर जहां के मुताबिक उसकी शादी 26 अप्रैल 2014 को बेहसा में रहने वाले मोहम्मद कदीर के साथ हुई थी। आरोप है कि मोहम्मद कदीर, रेहाना खातून और अब्दुल रशीद तीनों मिलकर उसे मारते पीटते व घर में खाना भी नहीं देते हैं। आरोप है कि प्रतिदिन घर से निकालने की धमकी देते हैं। पीड़िता का कहना है कि उसके पति ने उसके रहते हुए एक शादी और कर ली है, जिससे उसके एक लड़की भी है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके बच्चे का खर्चा नहीं देते हैं और जबरदस्ती तलाक देने के अलावा जान से मारने की भी धमकी देते रहते हैं। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

महिला से मारपीट जान से मारने की धमकी देने पर रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - बिजनौर के मकदूमपुर कैथी निवासी अलका ने मकदूमपुर में रहने वाले रोहित के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अलका का कहना है कि वह दूसरे के छत पर बैठी थी। तभी शराब के नशे में पहुंचे रोहित ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए ईंट से मारना शुरू कर दिया। इस बीच वहां मौजूद एक महिला उसे बचाने दौड़ी तो आरोपी ने उसे भी मारा पीटा। अलका का कहना है कि बाद में आरोपी रोहित जान से मारने की धमकी दे रहा है। वहीं ईट लगने से पीड़िता का सिर भी फट गया। बाद में किसी तरह उसने अपनी जान बचाई। फिलहाल अलका की तहरीर पर बिजनौर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

आत्महत्या के लिए उकसाने सहित मारकुटपीट, घर से भगाने की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - बंथरा के बनी गांव में रहने वाले रितिक कश्यप ने अपने पिता राकेश कश्यप के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और गाली गलौज व मारने पीटने तथा घर से भगाने की बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रितिक का कहना है कि बीती 17 जून की रात करीब 10 बजे उसके पिता राकेश कश्यप नशे की हालत में घर पहुंचा और अपनी दोनों बेटियों रोशनी कश्यप (21) और हंसिका कश्यप (16) को गाली देते हुए मारने पीटने लगा। साथ ही घर से भगाने लगा। आरोप है कि वह आए दिन दोनों लड़कियों को मारता पीटता था। रितिक के मुताबिक 18 जून को सुबह करीब 5-30 बजे उसके पिता की प्रताड़ना से रितिक की बहन रोशनी कश्यप ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। रितिक का कहना है कि उसका पिता उन्हें खर्चा भी नहीं देता था और उसकी बहन की जबरदस्ती शादी कर रहा था। जबकि वह अभी बी फार्मा की पढ़ाई कर रही थी। इसलिए वह शादी नहीं करना चाहती थी। लेकिन राकेश से प्रताड़ित होकर रोशनी कश्यप ने आत्महत्या कर ली। रितिक ने आरोप लगाया कि उसकी बुआ का लड़का उन्नाव जिले के गोरिन्दा में रहने वाला सुमत कश्यप व बड़े पिता के बच्चे विमल कश्यप व ममता कश्यप आए दिन उसके पिता से पैसे मांगते रहते थे और राकेश उन्हीं लोगों को पैसे देता था। जिसका रितिक और उसकी बहने विरोध करती थी। आरोप है कि इन्हीं बातों को लेकर राकेश अपने बच्चों को मारता पीटता था। इसी से प्रताड़ित होकर रोशनी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। फिलहाल रितिक की तहरीर पर बंथरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सालाना मीटिंग अंजुमने ज़फ़रूल अज़ा की हुई संपन्न - तमाम सम्मानित लोग रहे मौजूद

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

राजधानी लखनऊ - रविवार को थाना ठाकुरगंज मुफ्तीगंजहैदर जफरिया कॉलोनी की मस्जिद हैदर, कॉलोनी मे अंजुमने ज़फ़रुल अज़ा की ओर से एक मीटिंग रखी गई। जिसमे मोहर्रम और अज़ादारी के तमाम मुद्दों पर चर्चा की गई और अंजुमन के तमाम मिंबरों की सहमति से इस साल दोबारा अंजुमन के ओहदे दारान चुने गए। जिसमें सद्र - शैज़ाद आब्दी,नायब सद्र - (पार्षद) गुलशन अब्बास । सिक्रेट्री - विरासत हुसैन ऊर्फ (गप्पू) वही साहिबे ब्याज़ में,सै. असद हुसैन, सैयद मुज्जफर हुसैन, ऊर्फ (जियो) इसी कड़ी में धुनसाज़ की जगह - सैयद असद हुसैन को दी गई। वही अंजुमन के बाजू बने - मुन्ना भाई, शोएब, शानू, शुजात साहब , अशफ़ाक साहब, इमरान साहब, दानिश , असद , हिलाल। अंजुमने ज़फ़रुल अज़ा के शायर - नय्यर मजीदी साहब। शायर - मोहसिन अब्बास रिज़वी साहब। शायर - मौलाना मीर हिलाल साहब। अंजुमन के खदांची बने - सैयद दानिश हुसैन। अलमबरदार - अली हसन, समीर अब्बास। अंजुमने ज़फ़रुल अज़ा के सरपरस्त - मिर्ज़ा साहब, अली मियां, शालू भाई , फैज़ी, इरफान भाई, शान आलम भाई, माननू भाई, मुस्तकीम भाई, और तमाम मोहल्ला हैदर कॉलोनी। वही अंजुमन की शबेदारी हर साल की तरह इस साल भी मोहर्रम के आखरी हफ्ता यानी शनिवार को होगी।।।

मोदी 3.0 सरकार आज से पहली अग्निपरीक्षा से गुजरेगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अपने तीसरे कार्यकाल (मोदी 3.0) में1 जुलाई से पहली अग्निपरीक्षा से गुजरना होगा। तीन नए आपराधिक कानूनों - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के क्रियान्वयन की तिथि एक जुलाई से ही निर्धारित की गई है। देश भर में राज्य बार काउंसिल और बार एसोसिएशन सहित समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा इसका कड़ा विरोध किया जा रहा है और भारत की संसद द्वारा व्यापक समीक्षा की मांग की जा रही है, जहां देश के लोगों ने अभी-अभी बहुत मजबूत विपक्ष को चुनावों में जिताकर भेजा है। ये कानून भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (आईईए) की जगह लेंगे। देश भर के राज्यों के बार काउंसिल और बार एसोसिएशनों की ओर से कई ज्ञापन बार काउंसिल ऑफइंडिया (बीसीआई) को भेजे गए हैं, जिसे बीसीआई ने 26 जुलाई को पारित अपने प्रस्ताव में स्वीकार किया है, जिसमें तीन नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ कड़ा विरोध व्यक्त किया गया है और जब तक इन कानूनों को वापस नहीं लिया जाता या निलंबित नहीं किया जाता, तब तक अनिश्चितकालीन आंदोलन और विरोध प्रदर्शन करने की उनकी मंशा का संकेत दिया गया है, जिसमें भारत की संसद द्वारा व्यापक समीक्षा सहित गहन राष्ट्रव्यापी चर्चा शामिल है। यह याद रखने योग्य है कि मोदी सरकार ने दिसंबर 2023 में आयोजित शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में लगभग पूरे विपक्षी सदस्यों को निलंबित कराकर लोकसभा में तीन आपराधिक कानूनों पर किसी भी सार्थक चर्चा से सफलतापूर्वक परहेज किया था। इन्हें 21 दिसंबर को पारित किया गया, सरकार ने 25 दिसंबर, 2023 को जल्दबाजी में राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त की और उसी दिन अधिसूचित किया। गृह मामलों पर विभागीय संसदीय स्थायी समिति के विपक्षी सदस्यों ने अंतिम रिपोर्ट में अपनी असहमति दर्ज कराई थी, हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला द्वारा लगभग पूरे विपक्ष को लोकसभा से निष्कासित करने की कार्रवाई के बाद मोदी सरकार ने भारत की संसद में बहुमत के बल पर इन कानूनों को पारित करवाया था। हाल ही में, विपक्ष ने इन तीनों कानूनों की संसदीय समीक्षा की मांग की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भेजकर आग्रह किया है कि केंद्र को इन कानूनों को लागू नहीं करना चाहिए क्योंकि इन्हें अनुचित जल्दबाजी में पारित किया गया था। उन्होंने इनकी व्यापक संसदीय समीक्षा की मांग भी की। हालांकि, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्र ने कहा है कि वह 1 जुलाई, 2024 से तीनों आपराधिक कानूनों को लागू करने के लिए पूरी तरह से और व्यापक रूप से तैयार है। अब तक, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने मौजूदा अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) एप्लिकेशन में 23 कार्यात्मक संशोधन किये हैं, जिसके तहत अब देश के हर पुलिस स्टेशन में सभी मामले दर्ज किये जाते हैं। एनसीआरबी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नयी प्रणाली लागू करने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है, जिसमें आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग की परिकल्पना की गई है, जिसके लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने तीन ऐप विकसित किए हैं- ई-सक्ष्य, न्यायश्रुति और ई-समन - जो अपराध स्थलों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी, न्यायिक सुनवाई और इलेक्ट्रॉनिक रूप से अदालती समन की डिलीवरी की सुविधा प्रदान करेंगे। शुरू में, मोदी सरकार ने लोकसभा चुनाव 2024 से पहले तीन कानूनों को लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन इस विचार को छोड़ना पड़ा क्योंकि कानूनों ने पूरे देश में कड़ा प्रतिरोध और विरोध ने आकर्षित किया। अधिसूचना के एक सप्ताह बाद ही, देश भर के ट्रक ड्राइवरों ने नये आपराधिक कानूनों के कुछ प्रावधानों के खिलाफतीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल की। पूरे देश को आपूर्ति में अभूतपूर्व व्यवधान का सामना करना पड़ा, जिसने 2 जनवरी, 2024 को हड़ताल के दूसरे दिन केंद्र को यह महसूस करने के लिए मजबूर किया कि तीन नये आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन का सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान पर बड़ा राजनीतिक प्रभाव पड़ना तय है। इसने घोषणा की कि परिवहन क्षेत्रों से संबंधित प्रावधानों को तब तक लागू नहीं किया जायेगा जब तक कि आंदोलनकारी अखिल भारतीय मोटर परिवहन कांग्रेस के साथ उन पर चर्चा नहीं की जाती। केंद्र और ट्रक चालक संघ के साथ बातचीत के बाद, परिवहन कांग्रेस ने हड़ताल वापस ले ली थी, लेकिन उस हड़ताल ने यह स्पष्ट कर दिया कि तीन नये आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन भानुमति का पिटारा साबित होगा, जिसमें बहुत सारी बुराइयां हैं, जो कार्यान्वयन के दौरान सामने आयेंगी। भारतीय बार (वकील समुदाय) को विनियमित करने और उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत की संसद द्वारा बनाई गई एक वैधानिक संस्था, बार काउंसिल ऑफइंडिया (बीसीआई) ने 26 जून के अपने प्रस्ताव में, अब पूरे भारत में बार एसोसिएशनों और राज्यों की बार काउंसिलों से अनुरोध किया है कि वे नये आपराधिक कानूनों के खिलाफइस समय किसी भी तरह के आंदोलन या विरोध से दूर रहें, लेकिन साथ में यह भी कहा है कि वह केंद्रीय गृहमंत्री और केंद्रीय कानून मंत्री द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली केंद्र सरकार के साथ चर्चा शुरू करेगी, ताकि उनकी चिंताओं से अवगत कराया जा सके। बीसीआई ने कानूनी बिरादरी द्वारा उठाई गई चिंताओं पर ध्यान दिया है, जिसमें उनकी धारणा है कि इन नये आपराधिक कानूनों के कई प्रावधान जनविरोधी हैं, औपनिवेशिक काल के उन कानूनों से भी अधिक कठोर हैं जिन्हें ये नये कानून बदलने का इरादा रखते हैं, और देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इसके अतिरिक्त, देश भर के बार एसोसिएशनों ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों की नये सिरे से जांच करने का आह्वान किया है, क्योंकि ये कानून भारत के संविधान के अनुसार मौलिक अधिकार के सिद्धांतों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। बीसीआई ने देश के सभी बार एसोसिएशनों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे नये आपराधिक कानूनों के विशिष्ट प्रावधानों को प्रस्तुत करें जो असंवैधानिक या हानिकारक हैं ताकि वह केंद्र के साथ एक उत्पादक बातचीत शुरू कर उनमें आवश्यक सुधार सुनिश्चित करवा सके। सुझाव प्राप्त होने पर, बीसीआई इन नये आपराधिक कानूनों में आवश्यक संशोधनों का प्रस्ताव करने के लिए जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ताओं, पूर्व न्यायाधीशों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की एक समिति गठित करने का इरादा रखता है। बीसीआई ने बार एसोसिएशनों और राज्यों की बार काउंसिलों को आश्वासन दिया है कि उनके द्वारी उठाई गई चिंताओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। इस बीच, इन तीन आपराधिक कानूनों के खिलाफ 27 जून को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है, जिसमें इन तीन नये कानूनों की व्यवहार्यता का आकलन करने और उनकी पहचान करने के लिए तत्काल एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के लिए विशिष्ट निर्देश देने और उनके कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की गई है। पश्चिम बंगाल बार काउंसिल ने इन आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के खिलाफ1 जुलाई का काला दिवस के रूप में विरोध करने की घोषणा की है। पश्चिम बंगाल और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के वकील विरोध में सभी न्यायिक कार्यों से विरत रहेंगे। देश भर में कई और विरोध प्रस्ताव पारित होने की संभावना है, हालांकि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज अपने संयुक्त संसदीय संबोधन के दौरान कहा है कि ये कानून सजा के बजाय न्याय प्रदान करेंगे।

संपादकीय

पुलिस राज की शुरुआत

पिछली लोकसभा में पारित नये कानूनों के सोमवार से लागू होने के साथ ही भारत में नये सिरे से पुलिस राज की शुरुआत हो रही है। ऐसे वक्त में जब दुनिया भर के विकसित व लोकतांत्रिक देशों की सरकारें अपने नागरिकों को अधिक आजाद और अधिकार सम्पन्न कर रही हैं, भारत को श्लोकतंत्र की जननीश् कहने वाली सरकार ने जिस न्याय संहिता को लागू करने का ऐलान किया है, उससे नागरिकों पर पुलिस के जरिये उसका सख्त पहरा बैठ जायेगा। उसकी आजादी को जैसा बड़ा खतरा नयी न्याय संहिता से होने जा रहा है, वैसा पहले कभी नहीं रहा। अनेक पुराने कानूनों को हटाकर या बदलकर औपनिवेशिक गुलामी से मुक्ति दिलाने के नाम पर भारतीय दण्ड संहिता में व्यापक फेरबदल कर दिये गये हैं जिनसे जहां एक तरफ काफी समय तक व्यवहारिक दिक्कतें तो आयेंगी ही, पुलिस दमन की राहें भी खुल जायेंगी। अनेक न्यायविद एवं वकालत के पेशे में रहने वाले भी इस परिवर्तित संहिता से खौफज़दा दिख रहे हैं। उनका मानना है कि नये कानून पुलिस के हाथ मजबूत करेंगे और नागरिकों को न्याय मिलने की आशाएं धूमिल हो जायेंगी। न्याय पाना और भी कठिन हो जायेगा, जो पहले से दुरुह है। भारत के सन्दर्भ में पहले ही कहा जाता है कि यहां की न्यायिक प्रक्रिया अपने आप में सजा पाने से कम नहीं है, जिसमें दोषी व निरपराध दोनों एक सरीखे पिसते हैं। सिर्फ पहुंच और पैसा राहत देता है- निर्दोष को भी, अपराधी को भी। वैसे तो नये कानूनों को लेकर पहली आपत्ति यही की गई है कि अपराधों को दर्ज करने से लेकर मुकदमे चलाने सम्बन्धी धाराओं का अभ्यस्त होने में पुलिस अधिकारियों, वकीलों व जजों को काफी समय लग जायेगा। न सिर्फ समझना, बल्कि उसकी व्याख्या करना व कोर्ट के समक्ष उसे प्रस्तुत करना अपने आप में बड़ी कवायद होगी, जिसका खामियाजा और किसी को नहीं वरन मामले के पक्षकारों को भुगतना होगा। पहले से लाखों की तादाद में न्यायालयों में लम्बित मामलों के ढेर बढ़ते जाने तय हैं। अब तक जिन धाराओं के अंतर्गत विभिन्न अपराधों को परिभाषित किया गया था, वे सभी सम्बन्धित एजेंसियों एवं पेशेवरों की जुबानों पर रटे हुए थे। अब इसके क्रमांक भी बदल दिये गये हैं। अनेक की परिभाषाएं एवं व्याख्याएं भी बदल गई हैं। इनकी सजाओं में भी बदलाव कर दिये गये हैं। पूरे पुलिस विभाग को अपराधों को पंजीबद्ध करने, वकीलों को उन्हें प्रस्तुत एवं न्यायपालिका को उन्हें समझकर न्याय देने में नयी माथापच्ची करनी पड़ेगी। यह तो रहा नये कानूनों का व्यवहारिक पक्ष, लेकिन जिन इरादों के साथ ये कानून लाये गये हैं और जैसा उनका प्रभाव पड़ने जा रहा है, वह कहीं अधिक भयावह है। उनमें से कुछ का उल्लेख किया जाना समीचीन होगा। पुलिस व न्यायिक अभिरक्षा में आरोपी को रखने की वैध मियाद को 15 दिनों से बढ़ाकर अब 90 दिनों तक कर दिया गया है। यह बतलाने की जरूरत नहीं है कि अपराधी हों या निर्दोष, इन दोनों तरह की कस्टडियां किस तरह सभी के लिये एक जैसी नारकीय हैं। फिर, पुलिस लॉकअप हो अथवा जेलें- दोनों में क्षमता से अधिक आरोपी या सजायाफ्ता रखे जाते हैं। मानव गरिमा के विपरीत परिस्थितियां तो उनमें पहले से मौजूद हैं, इस बात की कल्पना सहज की जा सकती है कि बढ़ी हुई संख्या में वे किस तरह से सलाखों के पीछे दिन काटेंगे। उन्हें जीवनावश्यक सुविधाएं मुहैया कराना भी अपने आप में एक बड़ी चुनौती होगी। राजद्रोह शब्द तो नयी न्यायिक संहिता से हटा दिया गया लेकिन बहुत से नये आधार बनाकर लोगों को जेलों में बगैर मुकदमा चलाना आसान तथा जमानत प्रक्रिया को कठिन बना दिया गया है। देश की एकता व अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले कृत्यों के खिलाफ लाये गये कानून अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के खिलाफ उठने वाली आवाजों को खामोश करने का बढ़िया जरिया बन जायेंगे। यह धारा लगाने का विवेकाधिकार भी अपेक्षाकृत निचले स्तर के अधिकारी के पास हो गया है। इनमें भी लम्बे समय तक जमानत न मिलने के प्रावधान कर दिये गये हैं। इसका अनुमान लगाना कोई मुश्किल नहीं है कि जिस सरकार ने विपक्षी नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों, ट्रेड यूनियन व किसान संगठनों के नेताओं आदि के खिलाफ पहले से एक अभियान जैसा छेड़ रखा है उसका व्यवहार ये काले कानून हाथ में लग जाने के बाद कैसा होगा। जिस गैरकानूनी गतिविधियां (प्रतिबंध) कानून यानी यूएपीए के चलते न जाने कितने मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवी लम्बे समय से जेलों में सड़ रहे हैं, सरकार के हाथ नये कानूनों से और भी ताकतवर हो जायेंगे। इसके साथ ही यह भी माना जा रहा है कि इसके जरिये परम्परागत प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अतिरिक्त स्वतंत्र मीडिया (सोशल) का गला घोंटना भी आसान हो जायेगा। सरकार विरोधी खबरों, रिपोर्ताज या समीक्षाओं को देश की एकता-अखंडता के लिये खतरा बतलाकर ऐसे पत्रकारों तथा मीडिया संस्थानों को सरकार द्वारा डराना बेहद आसान हो जायेगा। याद हो कि पिछली लोकसभा के अंतिम दिनों में ये कानून एक सुनियोजित षडयंत्र के अंतर्गत पास कराये गये थे। पहले दोनों सदनों के तकरीबन डेढ़ सौ सांसदों को निलम्बित कराया गया तत्पश्चात केवल सत्ता पक्ष या गिनती के विरोधी दलों के सदस्यों की उपस्थिति में ये कानून पारित किये गये। नोटबन्दी, जीएसटी, कृषि कानून, इलेक्टोरल बॉन्ड्स, पीएम केयर फंड आदि।

विश्व गुरु करते कुछ नहीं बस विश्व गुरु हैं!

हम तो देश के एंगल से बात करते हैं। मोदी जी ने दस साल गंवा दिए। न नेहरू और इन्दिरा गांधी की तरह बड़े-बड़े काम किए। देश के नवनिर्माण के। और न ही वह अन्य काम जो आसान थे। केवल हिन्दू-मुसलमान किया मगर उससे क्या हुआ? देश ने कौन सी तरक्की कर ली। लोगों को रोजगार मिल गए। महंगाई कम हो गई। और हिन्दू-मुसलमान क्या नफरत और विभाजन की राजनीति का अंत है? नहीं यह तो शुरूआत थी। बात उसके बाद दलित आदिवासी और ओबीसी तक आ गई है। धर्म के बाद जातियों में और फिर प्रदेशों में हर जगह नफरत और विभाजन फैल गया है। क्रिकेट जो भारत को जोड़ता था उस तक में पहुंच गया। भारत टी-20 का वर्ल्ड कप जीता। पूरा देश खुशी से पागल हो गया। मगर जो पहले से पागल थे इसमें जाति और प्रदेश ढूंढने लगे। सूर्यकुमार यादव ने एक बहुत मुश्किल कैच पकड़ा। ठीक बाउन्ड्री पर। क्रिकेट खेले लोग जानते हैं उस गति में एक साथ दो काम करना कैच पकड़ना भी और पांव को बाउन्ड्री लाइन से बाहर जाने देने से रोकना कठिन प्रक्रिया होती है। करने से नहीं होती अपने आप जो अच्छा खिलाड़ी होता है उससे होती है। हो जाती है। यादव ने वर्ल्ड कप जीता दिया। हेडिंग यही थी। मगर नफरत की राजनीति ने इन दिनों यादवों को निशाने पर रख लिया है। इसलिए कहा जाने लगा कि पंड्या के ओवर ने मैच जिताया। पंड्या गुजरात का है इसलिए उसे और समर्थन मिला। अच्छी बात है। सबके योगदान की चर्चा होना चाहिए। मगर सूर्यकुमार यादव ने मैच छीन लिया। असली हीरो वही है और पूरी भारतीय टीम। 1983 में भारत ने पहला वर्ल्ड कप जीता था। कपिल देव ने भी ऐसा ही अविस्मरणीय कैच लिया था। पूरी टीम की जय जयकार हुई थी। इन्दिरा गांधी का जमाना था। मगर किसी ने इन्दिरा गांधी को श्रेय नहीं दिया। इन्दिरा जी के तो लेने का सवाल ही नहीं। उन्होंने तो कभी भारत के पहले परमाणु परीक्षण, अंतरिक्ष में भारतीय यात्री राकेश शर्मा के जाने, बांग्ला देश बनाकर दुनिया का भुगोल बदलने, हरित क्रान्ति करके देश के गोदाम अनाज से भरने, राजा रानी के प्रिवीपर्स प्रिवलेज खत्म करके देश के आम आदमी को उनके बराबर खड़ा करने, बैंकों को राष्ट्रीयकरण करके उन्हें गरीबों के लिए खोलने और ऐसे ही जाने कितने बड़े-बड़े काम करने का भी कभी श्रेय नहीं लिया। मुझे ईश्वर ने भेजा है इन कामों को करने के लिए या संसद में छाती ठोककर सब पर भारी जैसे बड़बोलेपन का तो सवाल ही नहीं उठता इसीलिए जब 1983 में भारत ने वर्ल्ड कप जीता तो देश में कहीं जाति, धर्म, प्रदेश की बात ही नहीं थी। नफरत फैलाई ही नहीं गई थी तो नफरत विभाजन की बात कोई कैसे करता? समकालीन परिस्थितियों से ही आदमी बनता है तो कपिल उस समय की मिलीजुली संस्कृति प्रेम, सद्भाव से निकले खिलाड़ी थे। कप लाने के बाद इन्दिरा जी जब उनसे मिलीं तो दोनों एक दूसरे को थैंक्यू कह रहे थे। प्रधानमंत्री कहीं से नहीं लग रहीं थी कि वे इन खिलाड़ियों से बड़ी हैं। आज तो ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि मोदी जी की वजह से टीम जीत गई। यह नफरत और विभाजन के साथ अहंकार की राजनीति भी है। इन सबसे बचना एक बड़े नेता का काम होता है। तभी वह देश के लिए कुछ कर पाता है। नेहरू और इन्दिरा गांधी ने ऐसे ही किया था। मगर जैसे कि हमने शुरू में लिखा कि बड़े काम तो छोड़िए दूसरे काम जो वे आसानी से कर सकते थे वह भी नहीं किए। इन दूसरे कामों में हमें हमेशा याद आता है 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया मोदी जी का स्वच्छता अभियान। हमने उसी दिन लिखा था इस पर। कुछ संदेहों के साथ मगर फिर भी आशावाद के साथ कि अगर मोदी जी ने इसे प्रतीकात्मकता तक ही सीमित नहीं रखा तो भारत बदल जाएगा। एक साफसुथरा आगे बढ़ता हुआ भारत होगा। मगर हमारी राजनीतिक समझ सही निकली। हम चाहते थे कि मोदी जी उसको गलत साबित कर दें। मगर नहीं किया। जो भाजपा की राजनीति है टोकनिज्म की प्रतीकात्मकता की वही किया। झाड़ू के साथ नए-नए पोज, कूड़ा उठाने का अभिनय और नतीजा गदंगी और बढ़ती चली गई। जी हां प्रतीकात्मक राजनीति का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है जितना काम हो रहा है वह भी फिर नहीं होता। सब प्रतीकात्मकता में मतलब दिखावे में उलझ जाते हैं। और उसी को काम भी समझ लेते हैं। जो सामान्य तौर पर हो रहा होता है वह भी कम या बंद हो जाता है। इसका एक बड़ा उदाहरण महिला सुरक्षा है। 2014 में चुनाव ही यह कहकर जीते थे अब नहीं नारी पर वार अबकी बार मोदी सरकार। मगर उसके बाद क्या हुआ? खुद की पार्टी के विधायक सेंगर से लेकर सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह तक ने क्या किया? पीड़ितों का साथ किस ने दिया? उल्टा उन्हें और प्रताड़ित किया गया। मणिपुर जैसी वीभत्स नारी विरोधी घटना के बाद भी मोदी मणिपुर नहीं गए। उल्टे दूसरी जगहों के उदाहरण देने लगे कि वहां भी तो होते हैं। हाथरस दलित लड़की मर गई उसकी लाश तक घर वालों को नहीं दी। उल्टे उसके घर के सामने महीनों घरना प्रदर्शन किए गए। प्रतीकात्मकता इस तरह से मूल समस्या पर से लोगों का ध्यान हटा देती है। और नारे भाषण में उन्हें उलझा देती है। जब इससे भी काम न चले तो उसने यह नहीं किया वह नहीं किया की तरफ लोगों का ध्यान ले जाते हैं। काम करने के छोटे होते हैं। मगर प्रतीकात्मक राजनीति करने वाले, दोष दूसरों पर डालने वाले वह सामान्य काम भी नहीं करते। उन्हें सबसे आसान लगता है पर निंदा। छिद्रान्वेष। बरसात हर साल होती है। जलभराव की समस्या भी। मगर इस तरह की तुलनाएं कोई नहीं करता। जैसी अब देख रहे हैं। हरिद्वार से लेकर देश में कई जगह गाड़ियां डूब रही हैं। मगर मीडिया भक्त कह रहे हैं दिल्ली का हाल देखो। दिल्ली का हाल बुरा है। मगर उसका पूरा दोष केजरीवाल पर रखना और बुरा। दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश है। राज्य सरकार किसी की हो केन्द्र सरकार अपने उप राज्यपाल के माध्यम से चलाती है और जिस लूटियन जोन में मंत्रियों और सांसदों के बंगलों में पानी भरने के फोटो हैं वह इलाका नई दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन (एनडीएमसी) के अन्तर्गत आता है। और एनडीएमसी पूरी तरह केन्द्र सरकार के आधीन होती है। दिल्ली में सर्दियों में प्रदूषण हो तो डेढ़ करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। विदेशी दूतावासों सहित। मगर इसका हल करने के बदले केजरीवाल पर तोहमतें लगाना शुरू हो जाता है। अरे केजरीवाल भी आपका ही था। संघ भाजपा केजरीवाल सब ने मिलकर एक नकली आंदोलन किया था। एक मुखौटे अन्ना हजारे को सामने रखकर। इतने ताकतवर प्रधानमंत्री जिनके बारे में मीडिया और भक्तों के साथ भाजपा के मंत्री नेता भी कहते हैं कि उन्होंने रुस युक्रेन युद्ध रुकवा दिया था। और यह तो खुद मोदी जी ने कहा कि उन्होंने रमजान में गाजा में युद्ध रुकवा दिया। उन्होंने जल निकास, दिल्ली का प्रदूषण और जिस का सबसे पहले जिक्र किया सफाई, नारी सुरक्षा जैसे काम नहीं किए। पेपर लीक तक पर बात नहीं की। नीट के पेपर लीक ने देश के स्टूडेंटों को सबसे बड़ा सदमा पहुंचाया है।

क्रिकेट में बादशाहत

भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिये शनिवार 'जीत के जश्न' का वार बन गया। सत्रह साल बाद टी-20 विश्वकप भारत ने अपनी झोली में डाला। एक समय लगा कि पूरे टूर्नामेंट में लगातार मैच जीतने वाली टीम इंडिया के हाथ से जीत फिसलने वाली है। भारतीय क्रिकेट प्रेमी दिल थामकर जीत की दुआ कर रहे थे। लेकिन पंद्रह ओवर के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जिस तरह फिसलते मैच पर अपनी पकड़ बनाकर शानदार जीत हासिल की, उसने बताया कि सही मायनों में यह एक विश्व विजेता टीम है। बहरहाल, हकीकत यह है कि भारत दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर विश्व विजेता बन चुका है। भारत ने टॉस जीतकर बीस ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाये थे। यह एक अच्छा स्कोर था, लेकिन क्रिकेट तमाम अनिश्चितताओं का खेल है। एक समय जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी बेहद आक्रामक अंदाज में खेल रहे थे, उन्हें तीस गेंद में तीस रन बनाने थे। उसके छह खिलाड़ी मौजूद थे। हेनरिक क्लासेन व डेविड मिलर की शानदार बल्लेबाजी से लगा था कि मैच भारत के हाथों से फिसल रहा है।

लेकिन अंतिम पांच ओवर में कप्तान रोहित शर्मा की रणनीति के साथ भारतीय गेंदबाजों और फिल्डरों ने जैसा खेल दिखाया, वह इतिहास में दर्ज रहेगा। सोलहवें ओवर में बुमराह की सधी गेंदबाजी ने दक्षिणी अफ्रीकी खिलाड़ियों पर दबाव बनाया। फिर 17वें ओवर में हार्दिक पांड्या ने क्लारेस को आउट करके मैच की दिशा बदली। 18वें ओवर में बुमराह ने यानसन को चलता किया। दरअसल, भारतीय गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी व चुस्त फिल्डिंग ने मैच का पासा भारत के पक्ष में पलट दिया। 19वें ओवर में अर्शदीप की सधी गेंदबाजी के बाद आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन बनाने थे। हार्दिक की गेंद पर छक्का मारने की कोशिश के बीच सूर्य कुमार यादव ने जो अद्भुत कैच पकड़ा, उसने भारत का विश्व विजयी होना तय कर दिया। हार्दिक की अन्य गेंद पर सूर्य कुमार के कैच ने आखिरकार मोहर लगा दी कि भारत टी-20 क्रिकेट का बादशाह बन चुका है। इस तरह भारत के जुझारू खिलाड़ियों ने हार की तरफजाती बाजी को दमदार खेल से जीत में बदल दिया। पूरे टूर्नामेंट में रोहित शर्मा की टीम अजेय टीम की तरह खेली। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बिना ट्रॉफी अपने नाम कर दी। इस मैच में विराट कोहली के शानदार 76 रन जीत की आधारशिला बने, जबकि पहले पांच ओवर में ही भारत अपने तीन बड़े विकेट गवां चुका था। हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी याद रहेगी। जिनके प्रयासों से मैच का पलड़ा भारत के पक्ष में झुका। लेकिन इस शानदार उपलब्धि का एक असहज करने वाला परिणाम यह भी है कि अब टी-20 के अंतर्राष्ट्रीय मैचों में रोहित शर्मा, विराट कोहली तथा रवींद्र जडेजा खेलते नजर नहीं आएंगे। शायद वे इस बड़ी कामयाबी का इंतजार टी-20 क्रिकेट से संन्यास लेने के लिये कर रहे थे। कोच के रूप में राहुल द्रविड़ के योगदान को भी हमेशा याद रखा जाएगा। जिन्होंने टीम को विश्व विजेता बनाने का मनोबल दिया।

आज का राशिफल

मेष:- विचारों की अस्थिरता आपको उलझनपूर्ण परिस्थिति में डालेगी। नौकरी-व्यवसाय के क्षेत्र में स्पर्धायुक्त वातावरण रहेगा। नए कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। प्रवास की संभावना है।

वृषभ:- मन की दुविधा ठोस निर्णय पर आने से रोकेगी जिससे हाथ आए अवसर आप खो देंगे। झक्की व्यवहार के कारण संघर्ष में उतरने की संभावना है। नए कार्य के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मिथुन:- आज का दिन लाभदायक साबित होने की आशा रख सकते हैं। सुबह से ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होगा। आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ कहीं से गिफ्ट प्राप्त हो सकता है।

कर्क:- शरीर और मन में बेचैनी और अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन की संदिग्धता और दुविधा आपकी निर्णयशक्ति को कसौटी के शिखर पर चढ़ाएंगे। वाद-विवाद से दूर रहें।

सिंह:- आज के दिन आपको विविध लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे समय में मन का ढीलापन आपको लाभ से वंचित न कर दे, इसका ख्याल रखें। पदोन्नति और आय वृद्धि का योग है।

कन्या:- नए कार्य शुरू करने के लिए निर्मित योजनाओं को अमल में लाने का आज उत्तम समय है। व्यापार में लाभ होगा। बकाया वसूली के पैसे वापस मिलेंगे। पिता की तरफ से लाभ होगा।

तुला:- लंबी दूरी की यात्रा या धार्मिक स्थान की मुलाकात होगी। विदेश यात्रा के लिए अनुकूलता रहेगी। फिर भी आपको संतान और स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंता रहेगी। धन का खर्च होगा।

वृश्चिक:- आज का दिन सावधानीपूर्वक बिताएं। नए कार्य शुरू न करें। क्रोध, आवेश और अनैतिक आचरण आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

धनु :- बौद्धिक, तार्किक, विचार-विनिमय और लेखन कार्य के लिए शुभ दिन है। भागीदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ के सम्बंधों में अधिक घनिष्ठता रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

मकर:- आज से आपके व्यापार-धंधे का विकास होगा। आर्थिक रूप से लाभदायक दिन होने से पैसे की लेन-देन में सरलता रहेगी। परिवार में सुख- शांति का माहौल रहेगा।

कुंभ:- आज आप संतान और अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंतित रहेंगे। अपच, पेट-दर्द से परेशान होंगे। विचारों में तेजी से परिवर्तन मानसिक स्थिरता में खलल पहुंचाएगा।

मीन:- शारीरिक- मानसिक भय रहेगा। कुटुंबीजनों के साथ वाद-विवाद होगा। माताजी का स्वास्थ्य खराब होगा। अनचाही घटनाओं से आपके उत्साह में कमी आएगी।

राजपुर में करोड़ो की लागत से सड़क किनारे बने नाले की दीवारों में रिसने लगा बरसात का पानी

■ पहली बारिस मे खुली विकास कार्यो की पोल ■ सीमेंटिड नालों मे रिसते पानी का हुआ वीडियो वायरल

भोगनीपुर, कानपुर देहात। नगर पंचायत राजपुर के सड़क के दोनो ओर बन रहे नाला भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ गया। पहली ही बारिस मे करोड़ो रुपये से बन रहे नव निर्मित नाले की दीवारे रिसने लगी है। दीवारो को भेदता हुआ पानी ने नगर पंचायत की पोल खोलकर रख दी है। सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइट के पोल भी गिरने की कगार पर है,जिससे एक बड़ा खतरा नगर वासियो के सिर पर मंडरा रहा है।

जगह जगह जल भराव नगर पंचायत के द्धारा कराये गए विकास कार्यो की पोल खोल रहे है।बता दें कि हर घर नल योजना के तहत कस्बे के सड़क किनारे व गलियो मे पाईप लाइने बिछाई गई थी। इसके बाद नगर पंचायत राजपुर ने सड़क के दोनो ओर जल निकासी के लिए करोड़ो रुपये से नाला निर्माण कराने लगी,जेसीबी से खोदे गए गडढे के दौरान पानी की पाईप लाईन फट गई व लीकेज हो गई। कई दिनो तक पानी सड़को पर बहता रहा,जल निगम के कर्मियो ने पाईप लाईने सही करायी। नगर पंचायत के द्धारा बनवाये जा रहे सीमेंटिड नाले की दीवारे पहली ही बारिस मे रिसने लगी। नाले की दीवारो से बहता पानी ऐसा लग रहा है कि मानो दीवारो मे नल की टोंटी लगा दी हो। इससे पूर्व नाले मे प्रयोग की जा रही बालू मे मिट्टी होने की बात को लेकर नगर वासियो ने हंगामा करते हुए काम बंद करवा दिया था। इसके बाद ठेकेदार के द्धारा नई बालू मंगाकर काम शुरु कराया गया,सवाल ये है कि यहां पर तो नगर वासियो ने देख

लिया तो हंगामा कर दिया लेकिन पूरे कस्बे मे जो नाला बना है उसमे सिर्फ घटिया सामग्री ही प्रयोग की गई होगी तभी तो नाले की सीमेंटिड दीवारो को भेदता हुआ पानी बह रहा है। पहली बारिस मे जब नगर वासियो ने दीवारो को भेदता बारिस के पानी की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया मे वायरल कर दिया। इसके अलावा थाने के सामने बाले मोहल्ले मे जल निकासी न होने के कारण बरसात का पानी सड़को पर बह रहा है,लोगो के घरो मे खड़ंजे का पानी घुसने लगा है,इसके साथ ही कस्बे के जगह जगह जल भराव की स्थिति बनी हुई है। इस सम्बंध मे कोई अधिकारी इस ओर ध्यान नही दे रहा है। नगर वासी नगर पंचायत बनने के बाद विकास कार्य होने की दुहाई दे रहे थे लेकिन ऐसी हालत को देखते हुए अब उनका कहना है कि नगर पंचायत से अच्छी तो ग्राम पंचायत ही थी जिसमे विकास कार्यो की आवाज को बुलंद कर लेते थे। नगर पंचायत चुनाव के पहले बहुत से समाजसेवी विकास कार्य की दुहाई दिया करते थे परन्तु इस नगर की दुर्दशा को देखते हुए उन समाजसेवियो का भी अता पता नही चल रहा है। नगर पंचायत का विकास कार्य रामभरोसे चल रही है जबकि शासन की मंशा है कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो मे विकास कार्यो को प्राथमिकता दी जाये।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ मेले का किया गया आयोजन

जगदीशपुर अमेठी। जनपद के जगदीशपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया । मेले में आए हुए मरीजों को डॉ० प्रदीप तिवारी व अन्य डॉ० की टीम द्वारा निशुल्क जांच कर उन्हें दवाएं दी गई। डॉ० प्रदीप तिवारी ने बताया की सरकार के निर्देश के क्रम में जगदीशपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ मेले का आयोजन किया गया है मेले में 2०2 मरीज देखे गए जिसमे कुल पुरुष रोगी की संख्या-79 रहीं व महिला रोगी-1०8 एवं 15 बच्चों को मेले में स्वास्थ्य लाभ दिया गया है एवं मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ देकर मेले को संपन्न कराया गया।

खोए बच्चे को पुलिस ने पहुंचाया परिजनों तक

सरवनखेड़ा, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के गजनेर स्थित साप्ताहिक बाजार में गजनेर रिस्तेदारी मे अपनी मां के साथ आया एक चार वर्षीय बच्चा रोता घूम रहा था जिसे कस्बे के ही एक व्यक्ति ने थाने पहुंचाया जहां पुलिस ने डिजिटल वालंटियर ग्रुपों के माध्यम से खोज निकाला और परिजनों को सौंप दिया। जिससे बच्चा अपनी मां को और मां अपने बच्चे को पाकर पुलिस का धन्यवाद किया। गजनेर थाना क्षेत्र के कस्बा गजनेर मे बच्चा अरहान पुत्र मोहम्मद तालिब ग्राम गजेन थाना रूरा निवासी है जो कि अपनी मां के साथ अपनी बुआ के घर आया था। और घर से बाहर खेलते खेलते बाजार पहुँच गया जहां आज साप्ताहिक बाजार का दिन होने के कारण बच्चा अपनी बुआ का घर भूल गया और चार वर्षीय बच्चा रोता घूम रहा था जिसे बाजार में लोगों ने बैठाया और जानकारी करनी चाही पर वह बता

नहीं पाया इस पर उसे थाने ले जाकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया वही गजनेर थाना प्रभारी दिलीप कुमार बिंद ने डिजिटल वालंटियर ग्रुपों के माध्यम से पहचान करवाने मे सफल रहे। वहीं बच्चा थाने में होने की सूचना पर बच्चे की मां व रिश्तेदार थाने पहुंचे तो बच्चा अपनी मां को देखकर रोते हुए पास पहुंचा वहीं पुलिस ने बच्चे को उसकी माँ के सुपुर्द कर दिया जहां मां व परिजनों को पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए धनयवाद दिया।

पूर्व सांसद ने मृतक पत्रकार रजनेश को अर्पित की श्रद्धांजलि

भारतीय किसान यूनियन के ब्लाक अध्यक्ष रनवीर सिंह ने ज्ञापन दे पत्नी को नौकरी दिए जाने की मांग की

सिकंदरा, कानपुर देहात। विगत दिनों मृतक पत्रकार की मार्ग दुर्घटना में हुई आकस्मिक मौत पर हुई एक शोक सभा मे भाजपा के पूर्व सांसद रामशंकर कठेरिया ने चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पत्रकार रजनेश निष्पक्ष रहकर परेशान लोगो की मदद करते थे जिसके कारण क्षेत्र में वह सबके प्रिय थे। पैतृक ग्राम मौजमपुर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे पत्रकार कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष सन्तोष गुप्ता ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पत्रकार रजनेश हँसमुख स्वभाव के साथ मिलनसार थे उनके न रहने से हम सभी पत्रकारों को बहुत कष्ट हुआ है।इस मौके पर पत्रकारों में राज कुमार तिवारी विशाल सिंह पिंटू खान रमन सिंह सहित पूर्व ब्लाक प्रमुख संदलपुर अरविंद कठेरिया ग्राम प्रधानों में सत्यप्रकाश कठेरिया संजीव पाल राम आसरे कठेरिया शिव मंगल सिंह ग्राम सचिव उदन सिंह शिवम दीक्षित अन्य ने श्रद्धांजलि अर्पित की भाकियू ने मुआवजा व पत्नी को नौकरी दिए जाने की मांग की। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के ब्लाक अध्यक्ष रनवीर सिंह यादव ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम भेजे ज्ञापन में मृतक पत्रकार के परिवारी जनों को पचास लाख रुपये मुआवजा व पत्नी को नौकरी एवम भरण पोषण के लिए पांच बीघा भूमि दिए जाने की मांग की। उक्त ज्ञापन शुक्रवार उपजिलाधिकारी राज कुमार चौधरी को प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम दिया गया। इस मौके पर रघुवीर सिंह रामपाल किसन लाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अब नए नियमों के तहत बेसिक स्कूलों में मनाया जाएगा बच्चों का जन्मदिन

कानपुर देहात। परिषदीय स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ बच्चों का पंजीयन व उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षक नियमित रूप से अभिभावकों से संवाद कर रहे हैं। माह में एक बार होने वाली बैठक में भी उन्हें बुलाया जा रहा है। बच्चों का विद्यालय से जुड़ाव बढ़ाने के लिए अब उनका जन्मदिन भी मनाया जाएगा। यह आयोजन प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को होगा। उस दिन उस माह में जन्म लेने वाले सभी बच्चों का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। बच्चों के माता-पिता को भी आमंत्रित किया जाएगा। यह सब बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। इसके तहत ग्रीष्मावकाश तथा शीतकालीन अवकाश में घर पर सीखने की क्षमता बढ़ाने के लिए भी बच्चों को गृह कार्य दिए जाएंगे। आवश्यकता के अनुसार प्रोजेक्ट कार्य भी कराने होंगे। बीएसए रिद्धी पाण्डेय के अनुसार बच्चों की नियमित उपस्थिति स्कूलों में बढ़ने पर ही शैक्षिक स्तर बढ़ेगा। निजी स्कूलों की तरह प्रत्येक विद्यालय वार्षिक उत्सव, बच्चों का जन्मदिन मनाने के साथ साथ छात्रों को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। नए सत्र में अभिभावक शिक्षक बैठक में नियमित उपस्थित होने वाले बच्चों के अभिभावकों की विशेष रूप से सराहना की जायेगी तथा कम उपस्थिति वाले बच्चों के अभिभावकों का विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त शिक्षा चौपाल के दौरान विद्यालय में कार्यरत उत्कृष्ट योग्यताधारी शिक्षकों, शैक्षणिक रणनीति, समय सारिणी, संदर्शिका, टीएलएम, पुस्तकालय, प्रिंट रिच सामग्री, बिग बुक्स, गणित एवं विज्ञान किट, आकलन के तरीके, रिपोर्ट कार्ड तथा खेलकूद सामग्री आदि का प्रदर्शन करते हुए अभिभावकों एवं जन समुदाय को जागरूक किया जाएगा।

पत्रकारों को दी जाए बीमा और आयुष्मान कार्ड की सुविधा

एनयूजे की बैठक में पत्रकार हितों के लिए पारित हुए कई प्रस्ताव

सीतापुर। नेशनल यूनियन ऑफ़ जर्नलिस्ट (इंडिया) की बैठक संगठन के तामसेनगंज स्थित जिला कार्यालय पर संपन्न हुई7 बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पत्रकारों के कल्याण के लिए कई बिंदु पटल पर रखे। जिसमें संगठन के सदस्यों की सहमति से आठ प्रस्ताव पारित किये गये। संगठन महामंत्री महेश शर्मा ने प्रस्तावों की घोषणा करते हुए कहा कि पहले प्रस्ताव के तहत पत्रकार हितों पर चर्चा के लिए माह के अंतिम रविवार को संगठन की मासिक बैठक की जाएगी7 दूसरे प्रस्ताव में एक बड़ा सम्मेलन किया जायेगा जिसमें पत्रकार शामिल होकर अपने विचार रखें।पत्रकार कल्याण के लिए प्रकोष्ठ बनाने के लिए भी प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अलावा वर्ष में एकाधिक बार नेशनल यूनियन ऑफ़ जर्नलिस्ट के प्रदेश पदाधिकारियों को आमंत्रित कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने पर भी सहमति बनी7 वहीँ पत्रकारों का

बीमा कराये जाने और उनको आरोग्य लाभ देने हेतु आयुष्मान कार्ड बनाया जाये जिसके लिए स्वास्थ्य मंत्री से मिलने पर सहमति बनी। प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु सिंह के प्रस्ताव पर मुसीबत में घिरे पत्रकारों की आर्थिक सहायता हेतु क्यूआर कोड सार्वजनिक किये जाने को लेकर सहमति बनी जिसकी ज़िम्मेदारी अध्यक्ष की रहेगी। पत्रकारों के बैठने और विमर्श आदि के लिए कोई स्थल निर्धारित किये जाने को लेकर भी प्रस्ताव पारित किया गया। अंत में अध्यक्ष अमरजीत सिंह द्वारा सभी पदाधिकारियों को संगठन के परिचय पत्र वितरित किये गये7 इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु सिंह, संगठन संरक्षक ज्ञान प्रकाश सिंह प्रतीक, संगठन संरक्षक अजय विक्रम सिंह, अध्यक्ष अमरजीत सिंह, महामंत्री महेश शर्मा, कोषाध्यक्ष विनीत पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिओम अवस्थी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश मिश्र, उपाध्यक्ष योगेश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, संगठन मंत्री शहाब वहीद अंसारी, संगठन मंत्री वैभव दीक्षित, मीडिया प्रभारी अलमास अंसारी, मंत्री अवनीश मिश्र, मंत्री अर्पित सिंह, एड० रोहित मेहरोत्रा, एड० जयपाल, सुभाष शुक्ला, दुर्गेश शुक्ला, साकेत सिंह, अनुज कुमार सिंह, विपिन राजवंशी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने अवैध असलहे व कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

महमूदाबाद, सीतापुर। गांव के पड़ोसी परिवार पर हमला कर जान से मारने की धमकी देने वाले करीब दो मुकदमों के वांछित हिस्ट्रीशीटर को कोतवाली पुलिस ने अवैध असलहा व कारतूस बरामद कर जेल भेजा है। पुलिस मामले में वांछित हिस्ट्रीशीटर बेटों के साथ उसके साथियों की तलाश कर रही है। मालूम हो कि महमूदाबाद के शादीपुर के प्रदीप कुमार वर्मा पुत्र रामप्रसाद के घर पुरानी रंजिश के चलते 21 जून को जमानत पर रिहा हुए हिस्ट्रीशीटर रंजीत कुमार पुत्र हरिप्रसाद अपने बेटे राज वर्मा, अभिषेक वर्मा, जसवंत वर्मा आदि के साथ 24 जून को आ धमके गालियां देने के साथ पीड़ित पर लाठी डंडों से हमलावर हो गए थे। किसी तरह प्रदीप ने घर का गेट बंद कर लिया और वीडियो बनाने लगा था। वीडियो बनता देख हिस्ट्रीशीटर के बेटे राज वर्मा ने एलानिया धमकी देते हुए कहते सुना गया था कि 'तुम्हे जान से मार दूंगा, या तो गांव छोड़ कर भाग जाओ।' प्रदीप वर्मा की तहरीर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर रंजीत, भाई निर्मल, बेटा अभिषेक उर्फ राज व आकाश के साथ पत्नी को नामजद करते हुए तहरीर दी थी। पुलिस ने नामजद आरोपितों के खिलाफ 147, 436, 352, 5०4, 5०6 आईपीसी के तहत केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। कोतवाली अनिल सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर शनिवार की शाम करीब साढ़े छह बजे कस्बा इंचार्ज पैंतेपुर अमित पांडेय ने वुलिस टीम के साथ मुबारकपुर के पास गश्त पर थे त्भी सामने से आता युवक पुलिस को देखने पर भागने लगा जिसे पुलिस द्वारा दौड़ाकर पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर युवक के पास से एक अवैध असलहा 12 बोर व तीन कारतूस बरामद हुईं। पूंछतांछ में युवक ने अपना नाम रंजीत वर्मा पुत्र हरी प्रसाद निवासी शादीपुर कोतवाली महमूदाबाद बताया।

सरस काव्य गोष्ठी /विद्या वाचस्पति तथा भारत गौरव सम्मान समारोह संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - साहित्य की दुनिया उत्तर प्रदेश इकाई एवं भाष्कर साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था,भारत के संयुक्त तत्त्वावधान में सरस्वती एकेडमी,पांडेय चौराहा, भरत नगर,सीतापुर रोड,लखनऊ में दिनांक ०1.०7.24 को अपरान्ह सरस काव्य गोष्ठी/सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर अजय प्रसून ने की।मुख्य अतिथि डॉक्टर साहब दीन दीन, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर नीलम रावत एवं सुरेश चंद सक्षम थे। कार्यक्रम का कुशल संचालन राम राज भारती फतेहपुरी ने किया।संयोजन प्रवीण पाण्डेय आवारा थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन उपरांत डॉक्टर कुसुम चौधरी द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना से हुआ। इस अवसर पर डॉक्टर अजय प्रसून, डॉक्टर साहब दीन दीन, सुरेश चंद्र सक्षम,डॉक्टर नीलम रावत, खालिद हुसैन, कन्हैया लाल, डॉक्टर कुसुम चौधरी, प्रवीण

कुमार पांडेय आवारा, हरि गोविंद यादव, मृत्युंजय प्रसाद गुप्त, यदुनाथ सुमन, शशि चौधरी, शिवकांत, राम राज भारती फतेहपुरी, प्रेमशंकर शास्त्री बेताब व आशीष पांडेय आदि ने अपनी कविताओं से गोष्ठी को ऊंचाई प्रदान की। काव्यांश अधोलिखित हैं। डॉक्टर कुसुम चौधरी ने गीत प्रस्तुत किया कर रही सबरी प्रतीक्षा। पूर्ण होगी कब परीक्षा। कन्हैया लाल हेम तपे न मिटे वह रूप,खरा उतरे सच रूप बतावै। डॉक्टर नीलम रावत तपि जेठ भयंकर रूप धरे, सूरजों धधकाय रहा गरमी । प्रवीण पाण्डेय %आवारा% सुनि लिहिनि इन्द्र देउता पुकार,बरसाइ दिहिनि थ्वारा पानी।तपि गवा महीना जेठु पूर, अब होइ लागि हइ हैरानी।। डॉक्टर यदुनाथ सुमन ये झोपड़ी हमारी यहीं पे रहने दो। चाहत न आसमा की जमीं पे रहने दो। हरि गोबिंद यादव बदनीयती फलती नहीं यारो बताओ क्या करें। खालिद हुसैन या रब तू इक जहान पैदा कर।खुलूशो मोहब्बत वाला इंसान पैदा कर। डॉक्टर अजय प्रसून एक तीखी कटार है यारो।ये गजल धारदार है यारो। डॉक्टर साहब दीन दीन हमदर्द सभी बनकर मेरे,इस दिल में समाया करते हैं। राम राज भारती फतेहपुरी अनागत का दौर तो आज है कठिन किंतु , कल वाली सुबह तो अधिक सुहानी है। इस अवसर पर समृद्ध मंच एवं विक्रम शिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर बिहार के प्रतिनिधि/मुख्य अतिथि डॉक्टर साहब दीन दीन द्वारा विद्या वाचस्पति/भारत गौरव सम्मान वितरित किए गए।1.श्री कन्हैयालाल- विद्यावाचस्पति 2.श्री प्रवीण कुमार पांडेय आवारा- विद्यावाचस्पति 3-श्री हरि गोविन्द यादव- विद्यावाचस्पति 4-श्री प्रेम शंकर शास्त्री बेताब- विद्यावाचस्पति 5-डॉ.कुसुम चौधरी-भारत गौरव 6-डॉ.यदुनाथ सुमन-भारत गौरव 7-खुशबू गौतम -विद्यावाचस्पति।

जनता दर्शन का कार्यक्रम कर महोली विधायक ने पीड़ितों की सुनी समस्याएं

महोली (सीतापुर)। कहते हैं की जनता यदि सुखी है तो लोकतंत्र भी सुखी रहेगा, निश्चय ही इन पंक्तियों को आत्मसाथ करते नजर आए महोली विधायक शशांक त्रिवेदी, जिन्होंने रविवार के दिन अपने गृह आवास ब्रह्मावली में जनता दरबार लगाया और वहीं से ही अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देशित करते हुए सुदूर ग्रामीण इलाकों से आए पीड़ितों की समस्याओं का निस्तारण कराया। विधायक शशांक त्रिवेदी के द्वारा उठाया जा रहा है यह कदम लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। पीड़ितों का कहना है कि अब कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। महोली विधायक के जनता दरबार से ही इंसाफ मिलेगा, शायद यही वजह है कि रविवार को सैकड़ो की संख्या में फरियादी पहुंचे और अपनी-अपनी समस्याएं विधायक को बताई। शशांक त्रिवेदी क्षेत्र से आई हुई जनता का जहां अभिवादन कर रहे थे, वहीं उनकी समस्याओं को भी दूर करा रहे थे। कहा कि क्षेत्र की जनता पीड़ित रहेगी तो विधायक भी पीड़ित रहेगा, इसलिए सर्वे भवंतु सुखिना- सर्वे संत निरामया की भावना को अधिकारियों को आत्मसाथ करना पड़ेगा, तभी उनकी सरकार की मंशा साकार हो पाएगी। जनता दरबार के दौरान कोतवाली प्रभारी महोली उमाकांत शुक्ला समेत क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अमेठी में हेड कांस्टेबल ने ई-रिक्शा चालक को जड़ा थप्पड़

वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

अमेठी। जनपद में खाकी की दबंगई सामने आई है जहां गौरीगंज थाने में तैनात हेड कांस्टेबल ने बीच सड़क चलती ई रिक्शा को रुकवा कर पहले तो गालियां दी फिर ड्राइवर पर थप्पड़ों की बरसात कर दी।हेड कांस्टेबल की दबंगई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।गौरीगंज थाने के थानाध्यक्ष का ड्राइवर है हेड कांस्टेबल राकेश राय।पूरा मामला गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के कस्बा स्थित जामो मोड़ का है जहाँ रविवार शाम एक ई रिक्शा चालक गौरीगंज बस स्टैंड से सवारी बैठाकर रायबरेली रोड की तरफ जा रहा था तभी गौरीगंज थाने में तैनात हेड कांस्टेबल राकेश राय मौके पर पहुँचा और ई रिक्शा रुकवाकर गालियां देने लगा।हेड कांस्टेबल के गाली देते ही ई रिक्शा पर बैठी सवारियां उतर कर चली गई।हेड कांस्टेबल ने चालक से

गाड़ी के पेपर मांगे।चालक द्वारा पेपर दिखाने पे हेड कांस्टेबल ने उसे फेंक दिया और चालक को थप्पड़ मारने लगा।हेड कांस्टेबल द्वारा ई चालक चालक से अभद्रता करते देख पास में ही खड़े एक युवक ने इसका वीडियो बना लिया।हेड कांस्टेबल गौरीगंज थाने में तैनात है एसएचओ की गाड़ी चलाता है।राकेश राय पहले भी काफी विवादों में रहा है। यहीं पर हेड कांस्टेबल की दबंगई नही खत्म हुई वर्दी का नशा नही उतरा और वीडियो बनाता देख हेड कांस्टेबल ने युवक का आधार कार्ड समेत अन्य पेपरों को लेकर एक कागज पर साइन करवाया गया और वीडियो वायरल करने पर मुकदमा करने की धमकी दी गई।

ड्यूटी छोड़कर पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंचे दरोगा और दो हेड कांस्टेबल को एस एस पी ने किया सस्पेंड

बरेली। थाने का दरोगा और दो हेड कांस्टेबल ड्यूटी से गायब होकर पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गए। एसएसपी ने तीनों को सस्पेंड करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए हैं ज्ञात हो कि 24 जून को थाना सुभाषनगर पर पंजीकृत अपहरण के अभियोग की जांच के लिए सुभाषनगर से अपनी गाड़ी से थाना हाफिजगंज क्षेत्र में जाने के उपरान्त अपने ड्यूटी स्थल से अनुपस्थित होकर बिना उच्चाधिकारीगण आदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचकर प्रतिबंधित जंगल क्षेत्र में वाचर द्वारा प्रवेश करने से रोके जाने के बावजूद भी अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने के आरोप संज्ञान में आने के परिणामस्वरूप एसएसपी द्वारा दरोगा विनय कुमार, मुख्य आरक्षी शाहिद अली व मुख्य आरक्षी ऋषिपाल सिंह को निलंबित किया गया है।

भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम सचिव को अधिकारियों का खुला संरक्षण

⇨ भ्रष्टाचार में लिप्त सचिव तो कैसे बदलेगी गांव की सूरत

लखीमपुर-खीरी। जनपद खीरी की सबसे बड़ी ब्लाक पसगवां क्षेत्र में आने वाली पंचायते मुल्लापुर, नयागांव किशोरी,किशन पुरअजीत,पतवन, सोहोना, घागपुर, सिकटारा, चकपिहनी, नकटी, अजबापुर, पिपरोला कुँअरपुर व जसमडी के पंचायत सचिव कौशल किशोर की कार्यप्रणाली पूरे क्षेत्र में जनचर्चा का विषय है। मनमानी और व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते जहां ग्रामीण लगातार ब्लाक से लगाकर मुख्यालय तक लिखित शिकायते करते रहे हैं वहीं सम्बंधित अधिकारियों से सांठगांठ के चलते ग्राम सचिव कौशल किशोर हमेशा बचते रहे हैं हालांकि उनके खिलाफ न कभी जांच हुई और न ही कभी कार्यवाही? जिसके चलते वे लगातार अपनी मनमानी व भ्रष्टाचार करते रहे और जिम्मेदार अधिकारी पंचायत सचिव कौशल किशोर को लगातार संरक्षण देते रहे। जिसकी वजह भी साफ जाहिर है कि उक्त पंचायत सचिव अपने बचाव के लिए तमाम जिम्मेदारों की जेबे भरता चला आ रहा है और बिकाऊ अमला मौन बना हुआ है जानकारी मुताबिक उक्त

पंचायत सचिव की मनमानी को लेकर काफी बार खण्ड विकास अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी पंचायत को भी अवगत कराया गया लेकिन न जांच बैठी न ही विधिक कार्रवाई हालांकि किसी भी प्रकार का सकारात्मक निष्कर्ष नहीं निकला। जानकारी मुताबिक ब्लाक पसगवां की ग्राम पंचायत मुल्लापुर निवासिनी शिवानी पत्नी स्व- सुरजीत शिकायतकर्ता ने पंचायत सचिव कौशल किशोर पर गंभीर आरोप लगाए थे कि सरकारी आवास देने के लिए ग्राम पंचायत सचिव कौशल किशोर ने तीस हजार मांगे व घर पहुंचकर 5,000 हजार की वसूली की है।

सचिव कौशल किशोर पर पांच हजार वसूलने का आरोप!

शिकायतकर्ता शिवानी ने अपने बयान में बताया कि पंचायत सचिव कौशल किशोर ने विधवा आवास योजना के नाम पर मोटी रकम मांगी काफी मान मनौव्वल करने के बाद पांच हजार रुपए ले लिए फिर भी पात्र होते हुए भी अपात्र घोषित करने की बात भी कही है जबकि कोई उच्च अधिकारी निष्पक्ष जांच करा ले अगर वह पात्र हो तो आवास आवंटित किया जाए अन्यथा उसे अपात्र घोषित कर दिया जाए वही पीड़िता ने बताया कि मेरे पति की मृत्यु छः माह पूर्व हार्ट अटैक से हुई थी मेरे दो मासूम बच्चे हैं जिनमें लड़के की उम्र 03 साल व बिटिया की उम्र 05 वर्ष है वही ग्राम प्रधान सविता मिश्रा समेत ग्रामीणों ने पंचायत सचिव पर भ्रष्टाचार व मनमानी के आरोप लगाते हुए शिकायत की थी जिसकी जांच के लिए टीम का गठन नही किया गया भ्रष्टाचार में लिप्त सचिव को खुलेआम संरक्षण दिया जा रहा है उक्त सचिव पर विधिक कार्यवाही होने में कितना समय लगेगा इसका अनुमान नही लगाया जा सकता जिससे शिकायतकर्ताओं के मंसूबे खुद ही टूट जाते है वहीं दोषियों को लीपापोती कर बचने का पर्याप्त मौका भी मिल जाता है इन बड़े आरोप के बाद भी सचिव के खिलाफ कार्यवाही नहीं होना कई तरह की चर्चाओं और संदेहों को जन्म देती है।

सचिव के विरुद्ध कार्रवाई पर अब भी संदेह!

पसगवां ब्लाक क्षेत्र में सर्वाधिक चर्चित ग्राम सचिव के रूप में जाने वाले कौशल किशोर के कारनामों को लेकर काफी शिकायतें अब तक हो चुकी हैं। किंतु कार्यवाही के नाम पर अब तक कोई कार्यवाही सुनने में नहीं आई है। इस तरह की लचर कार्यप्रणाली और लेटलतीफी पर सवाल उठना लाजमी है वही पसगवां क्षेत्र के लोग पूरे भरोसे से दावा करते हैं कि उक्त सचिव के खिलाफ कार्यवाही होना संभव ही नहीं है। इस तरह की चर्चा और दावे शासकीय प्रक्रिया के लिए चुनौती जरूर है। जन चर्चा में किए जा रहे दावे और क्षेत्र के चर्चित सचिव में कितना दम है यह आने वाले समय में साबित होगा। किन्तु इस तरह की लेट लतीफ कार्यवाही के पीछे अधिकारियों से भी जवाब मांगा जाना चाहिए।

कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया निर्वाचन व्यय लेखा समाधान बैठक का आयोजित

बस्ती। जिला निर्वाचन अधिकारी रवीश गुप्ता व व्यय प्रेक्षक आर.एल. अरुण प्रसाद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन व्यय लेखा समाधान बैठक आयोजित की गई। जिसमें राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बैठक में निर्देश दिया गया कि आगामी 4 जुलाई तक कोषागार कार्यालय बस्ती में अनिवार्य रूप से व्यय लेखा जांच कराकर निर्वाचन कार्यालय में जमा कर रसीद प्राप्त कर ले उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्याशी द्वारा व्यय लेखा समय से दाखिल नहीं किया जाता है तो नोटिस जारी किया जाएगा व स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति,समस्त व्यय लेखा टीम,समस्त सहायक व्यय प्रेक्षक सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आदिवासी छात्रों का प्रशिक्षण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय विद्यापीठ)धनबाद में शुरू

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता धनबाद

धनबाद - आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में आदिवासी विकास के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) द्वारा झारखंड के सात ईएमआरएस के दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के 1500 से अधिक आदिवासी छात्रों के लिए बुनियादी स्तर की सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर प्रशिक्षण पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू हुआ। आईआईटी (आईएसएम) में आदिवासी विकास के लिए संचालित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) द्वारा दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के 1500 से अधिक आदिवासी छात्रों के लिए बुनियादी स्तर की सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर प्रशिक्षण पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आज एक जुलाई मिलाकर सात एकलव्य मॉडल आवासीय में शुरू हुआ। स्कूल (ईएमआरएस) जिनमें ईएमआरएस कठीजोरिया, ईएमआरएस गोड्डा, ईएमआरएस रांची, ईएमआरएस लोहरदगा, ईएमआरएस दुमका, ईएमआरएस पश्चिमी सिंहभूम और ईएमआरएस भागाडीह शामिल हैं।कार्यक्रम की ऑनलाइन लॉन्चिंग दोपहर बाद प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रोफेसर जेके पटनायक, प्रोफेसर संदीप मंडल, प्रोफेसर नीलाद्री दास और प्रोफेसर रश्मि

सिंह की उपस्थिति में हुई।प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर रश्मि सिंह, जो जनजातीय मामलों के मंत्रालय से 1.92 करोड़ रुपये के फंड अनुदान के साथ स्थापित सीओई के समन्वयक भी हैं, ने कहा कि क्षमता निर्माण और कौशल विकास की पहली परियोजना के रूप में शुरू किया गया है। सीओई विशेष रूप से झारखंड के आदिवासियों के लिए उनके रोजगार, आय, आजीविका और आर्थिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।क्षमता निर्माण कार्यक्रम के बारे में अधिक विस्तार से बताते हुए, प्रोफेसर रश्मि सिंह, जो परियोजना के प्रधान अन्वेषक भी हैं, ने कहा, 卐पाठ्यक्रम ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जाएगा और पाठ्यक्रम का कुल अवधि एक वर्ष होगी। इसे 13 सप्ताह के दो सेमेस्टर में विभाजित किया गया है।卐 प्रत्येक।卐प्रोफेसर सिंह ने कहा, 卐पूरे एक साल के बुनियादी स्तर के कार्यक्रम के लिए हिंदी में पठन सामग्री कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रों को दी जाएगी卐 और उन्होंने कहा कि संथाली भाषा में पठन सामग्री, जो ईएमआरएस स्कूलों में प्रमुख आदिवासी भाषा है, दी जाएगी। छात्रों के संदर्भ के लिए स्कूल की लाइब्रेरी में रखा गया।प्रोफेसर सिंह ने विस्तार से बताया, 卐ऑनलाइन मोड में एक सप्ताह में संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा पांच दिन कक्षाएं ली जाएंगी जबकि वे दैनिक अभ्यास/हैंड-ऑन सत्र जारी रखेंगे卐 और कहा कि छात्रों को असाइनमेंट दिए जाएंगे। कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए हर सप्ताह समझ का परीक्षण और कड़ी निगरानी और पर्यवेक्षण किया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने बताया, 卐यह ईएमआरएस स्कूलों के कंप्यूटर/आईसीटी शिक्षकों के समन्वय से किया जाएगा।卐संस्थान के विशेषज्ञ संचालन के लिए भौतिक मोड में ईएमआरएस स्कूलों में समस्या समाधान केंद्रों का दौरा करेंगेसमस्या समाधान सत्र.卐कार्यक्रम और चुनौतियों से उनकी सीख को समझने के लिए छात्रों से नियमित फीडबैक लिया जाएगा।इससे जुड़े卐 सीओई के समन्वयक ने समझाया और कहा कि प्रिंसिपल, कक्षा से भी फीडबैक प्राप्त किया जाएगा- ईएमआरएस स्कूलों के शिक्षक और कंप्यूटर/आईसीटी शिक्षक।卐आकलन के लिए सभी स्कूलों में मध्य-सेमेस्टर और अंतिम-सेमेस्टर परीक्षाएं भौतिक मोड में आयोजित की जाएंगीछात्रों की सीखने की क्षमता卐 के बारे में केंद्र समन्वयक ने विस्तार से बताया और कहा कि कमजोर छात्र होंगेनियमित मूल्यांकन और विशेष सत्रों के माध्यम से उनकी पहचान की जाएगी और उन तक जानकारी पहुंचाई जाएगी।स्पष्ट किया गया, 卐कार्यक्रम में छात्रों की उपस्थिति की निगरानी के लिए कक्षाओं के दौरान दैनिक उपस्थिति ली जाएगी।卐प्रोफेसर सिंह ने यह समझाते हुए कि निष्कर्ष निकाला कि छात्रों के लिए प्री और पोस्ट प्रभाव मूल्यांकन आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम के प्रभाव को समझें।

उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई कोल कंपनियों से जुड़े भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती समेत अन्य मामलों की बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता धनबाद

धनबाद - उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में कोल कंपनियों से जुड़े भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती मामलों से संबंधित बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा विभिन्न विभागों में लंबित अनापत्ति प्रमाण पत्र, भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती, ओबी डंप, ग्राम सभा, मुआवजा, नियोजन, विस्थापन समेत अन्य मामलों की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने बताया कि कई खनन क्षेत्रों के निवासियों द्वारा यह शिकायत प्राप्त होती है कि बिना भूमि हस्तांतरण एवं अनुमति के कोल कंपनियों द्वारा ओबी डंप किया जाता है। इस मामले को लेकर उपायुक्त ने खनन पदाधिकारी एवं संबंधित अंचलाधिकारी को खनन क्षेत्र के भू मापी कर एक हफ्ते के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया।

साथ ही अंचलाधिकारियों को लंबित ग्राम सभा ससमय करवाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में वन्य प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खालको, जिला खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर, आईटी मैनेजर रूपेश मिश्रा, बीसीसीएल के पदाधिकारी, ईसीएल मुगमा के पदाधिकारी, अंचलाधिकारी पुटकी, निरसा, कलियासोल, बाघमारा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

बीच सड़क सरेआम दबंगों ने वाहन रोक पूरे परिवार पर किया जानलेवा हमला

सुलतानपुर। जिले के दोस्तपुर थाना अंतर्गत सड़क पर परिवार लेकर सफर करना अब खतरों से खाली नहीं है!चौपहिया वाहन से बच्चों और परिजनों को लेकर जीजा के घर जा रहे युवक पर सड़क पर टहल रहे दबंग गुंडों ने जानलेवा हमला बोल दिया । जिसको लेकर क्षेत्रीय लोगों में काफी रोष है ! जिसकी शिकायत पीड़ित ने लिखित रूप से पुलिस से की ! जिसको लेकर पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों से मिली भगत करके दी गई तहरीर को ही बदलवा कर मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है ! मामले में पुलिस की कार्रवाही से पीड़ित पक्ष सन्तुष्ट नहीं है। दोस्तपुर थाना क्षेत्र के कैथी जलालपुर निवासी प्रदीप वर्मा बीती रात लगभग ८:३० बजे अपने जीजा के घर जा रहे थे। कि तभी भीलमपुर नहर मोड़ के पास पहुंचने पर वहां पहले से मौजूद आधा दर्जन बेवड़ों ने गाड़ी रोककर अभद्रता पर उतारू हो गए।

(सीतापुर-आस-पास)

भीषण गर्मी में नल खराब होने के कारण पेयजल को तरसते ग्रामवासी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के डबल इंजन की सरकार ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हर घर जल योजना को क्रियान्वित कर जमीन पर उतारने के लिए प्रयासरत है।जिससे सभी मौसम में ग्रामीण जनता को शुद्ध स्वच्छ पेयजल मुहैया कराया जा सके। परन्तु विकास खण्ड हरगांव के प्रधान व सचिव गांवों के खराब पड़े हैंडपंपों को न बनवाकर अपनी जेबें भरने में मशगूल हैं।वहीं ग्रामीण अंचल की जनता पेयजल के लिए करुणक्रंदन करने के लिए मजबूर हो रही है।ताजा मामला विकास खण्ड हरगाँव के ग्राम पंचायत अख्तियारपुर का है।जानकारी के अनुसार हरगांव विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अख्तियारपुर में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कुलदीप राठौर के द्वारा गांव के खराब पड़े नलों की इस भीषण गर्मी में न बनवाकर प्रदेश की योगी सरकार के पेयजल योजना को पलीता लगाने का कार्य किया जा रहा है।ग्राम अख्तियार -पुर में किशोर के घर के सामने मन्दिर बना हुआ है। मन्दिर के पास एक इण्डिया मार्का नल कई वर्षो से लगा हुआ है।जो काफी दिनों से खराब पडा है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान से काफी बार कहा गया है।परंतु प्रधान ने खराब पड़े नल को ठीक कराना उचित नहीं समझा।जबकि मन्दिर में सुबह शाम काफी लोग पूजा पाठ करने प्रतिदिन आते हैं। सूत्रों ने बताया कि इस नल के रिबोर के लिए धनराशि भी निकाली जा चुकी है।इस तरह से ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व सचिव मिलकर योगी सरकार की योजनाओं को पलीता लगाने का कार्य कर रहे हैं।

स्कूल बस की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल

⇨ मेमको मोड़ के पास हुई दुर्घटना बिना हेलमेट के थे युवक

धनबाद - शहर के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के मेमको मोड़ नालंदा काटेज के समीप आठ लेन रिंग रोड पर स्कूल बस व एक बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार तीन युवक को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायल युवकों को एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घायलों के इलाज चल रही है। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायलों में बगुला बस्ती धनबाद के आकाश मुर्मू, मोटू सिंह, भरत सिंह शामिल है। सभी घायलों के उम्र करीब ३० वर्ष है। सड़क दुर्घटना मे घायल को अस्पताल लेजाने के लिए एम्बुलेंस नहीं आया तो ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स टीम के अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल ने अपनी कार से लेकर के आपातकाल में ले गये, वहां की चरमराई हुई स्तिथि में स्ट्रेचर तक नहीं दिया गया मरीज को, गौतम मंडल द्वारा हल्ला गुल्ला करने पर लाया गया स्ट्रेचर, ये हाल है इस सरकारी मेडीकल कॉलेज असपताल का , व्यवस्थापक यहां पर की सीट बढ़ाने की ख्वाइस रखते है पर यहां उपचार की व्यवस्था बढ़ाने की ख्वाइस नही रखते है , भगवान भरोसे रहते है यहां मरीज । बताया जाता है कि बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के मेमको मोड़ नालंदा कॉटेज के समीप स्कूल बस की चपेट में आकर बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों युवक बिना हेलमेट के थे और बाइक पर सवार होकर के मेमको मोड़ की ओर जा रहे थे। तभी अचानक दूसरी तरफ से आ रही स्कूल बस से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। घटना में बाइक पर सवार तीनों युवक सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि नई फोर लेन रिंग रोड सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। पुलिस वाहन जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करती है। देखने वाला कोई भी नहीं है। पता नहीं पुलिस कबतक यहां लाशे गिनती रहेगी।

संचारी रोगों के रोकथाम के लिए ब्लॉक सभागार में हुई गोष्ठी

बरेली। क्योंलड़िया भदपुरा ब्लॉक के सभागार में संचारित रोगों की रोकथाम के लिए गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण जनपद में इस रोग पर अंकुश लगाए जाने के विस्तार से जानकारी दें गोष्ठी में सभी ग्राम प्रधानों एवं सफाई कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने ग्रामों में एंटी लारवा दवाई का छिड़काव कराएं और नाले और नालियों की साफ-सफाई कराएं साथ में जहां कूडा और पानी इकट्ठा होता है उस जगह को साफ कराएं और दवाई का छिड़काव कराएं जलभराव ना होने दें जिसमें मच्छर और कीड़े मकोड़ों की उत्पत्ति ना होने पाए साथ में संक्रामक रोगों को भी रोका जाए जैसे डेंगू मलेरिया डायरिया आदि रोग साथ ही उन्होंने ग्राम प्रधानों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कराए जाने का भी आह्वान किया गोष्ठी में ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने सभी सफाई कर्मचारियों से गांव में सफाई कार्य सुचारू रूप से करने का निर्देश दिया साथ ही ग्राम प्रधान से समन्वय कर गांव की सफाई कराई जाए गोष्ठी में खंड विकास अधिकारी कमल सिंह चौहान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ मो मुगीश एडीओ पंचायत रंजीत सिंह प्रधान संघ अध्यक्ष रामप्रताप गंगवार ग्राम प्रधान रफीक अहमद सुमित वर्मा दीनानाथ जय वीर वर्मा देवेश कुमार जितेंद्र कुमार ओमेंद्र कुमार आबिद हुसैन नरोत्तम मुन्ना सचिव नरेश कुमार सागर विशाल कुमार विकास पटेल उत्तम कुमार राजू सिंह संगीता देवी उमेश चंद्र गंगवार सचिन गंगवार एवं समस्त सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

पुराने संसद भवन से डॉ. बीआर अंबेडकर और बापू की मूर्ति हटाने को लेकर विरोध

बरेली। पुराने संसद भवन से डॉ. बीआर अंबेडकर और महात्मा गांधी की मूर्ति हटाए जाने पर पूरे देश में हंगामा खड़ा हो गया है। इसी को लेकर बरेली में भारतीय बौद्ध धम्म सार समिति एवं अनुसंधान केंद्र तथा भारतीय बौद्ध महासभा के कार्यकर्ताओं ने महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन दिया और मूर्तियों को पुन: स्थापित करने की मांग की।

पुराने संसद भवन से डॉ. बीआर अंबेडकर और महात्मा गांधी की मूर्तियों को हटाए जाने पर बवाल खड़ा हो गया है। बरेली में आज इसको लेकर भारतीय बौद्ध धम्म सार समिति एवं अनुसंधान केंद्र तथा भारतीय बौद्ध महासभा के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देते हुए मांग की कि मूर्तियों को पुन: स्थापित किया जाए। वहीं जागन सिंह राकेश ने कहा कि पुरानी संसद भवन के सामने से महात्मा गांधी और डॉ. बीआर अंबेडकर की जो प्रतिमाएं रात्रि में चोरी छुपे हटाई गई हैं उनको पुन: वहीं स्थापित किया जाए, यदि इन प्रतिमाओं को हटाना जरूरी है तो पहले लोगों को अवगत कराना चाहिए था और यदि हटा ही ली गई हैं तो इन प्रतिमाओं को नए संसद भवन के मेन हॉल में स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी भारत के बापू कहलाते थे और डॉ. बीआर अंबेडकर संविधान के जनक हैं, सांसद भी संविधान से ही चल रही है तो ऐसे में वहां पर इन मूर्तियों को स्थापित करना जरूरी है। इस तरह मूर्तियों को हटाना अपराध है। उन्होंने कहा कि इसको लेकर आज पूरे भारतवर्ष में प्रदर्शन चल रहा है।

खेत में काम कर रही महिला की जहरीले सांप के काटने से हुई मौत

बरेली। खेत में काम कर रही महिला को जहरीले सांप ने काट लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहा डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना भुता के गांव गिरधरपुर की रहने वाली 25 वर्षीय कुसुम पत्नी सूरजपाल के रिश्तेदार ने बताया आज सुबह खेत में धान की बेड लगा रही थी। इस दौरान उसको जहरीले सांप ने काट लिया। जिसके बाद हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) के प्रस्तावित बैठक एवं स्थल निरीक्षण कार्यक्रम को लेकर उप विकास आयुक्त ने की जिला के पदाधिकारियों के साथ बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता धनबाद

धनबाद - झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) द्वारा दिनांक 3 जुलाई 2०24 को धनबाद जिला में बैठक सह स्थल निरीक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में आज 1 जुलाई को जिला के सभी पदाधिकारी के साथ समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक की गई, उप विकास आयुक्त ने कहा कि समिति द्वारा जिले में पाइप लाइन बिछाने, सीवरेज ड्रेनेज,जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना से संबंधित प्रतिवेदन की समीक्षा की जाएगी। जिसमें सड़क को तोड़कर कार्य किया गया उसे विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया गया कि नहीं। साथ ही पूर्ववत स्थिति में लाने के पश्चात विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए जाने से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही बैठक में अपने अपने प्रतिवेदन के साथ ससमय उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार समेत जिला के अलग-अलग विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे ।

गोविंद प्रताप सिंह गौर की अट्ठासीवीं जयंती पर आयोजित की गई श्रृद्धांजलि सभा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - राष्ट्रीय अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट सीतापुर के अध्यक्ष सुनील सिंह गौर एडवोकेट द्वारा कलेक्ट्रेट कैंपस के अधिवक्ता चेंबर नंबर 16 में अपने पूज्य पिता गोविन्द प्रताप सिंह गौर पूर्व उप- प्रधानाचार्य, वरिष्ठ समाजसेवी की अट्ठासी वीं जयंती पर श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया श्रद्धांजलि सभा का संचालन वरिष्ठ महामंत्री कुंवर वरुण सिंह तोमर एडवोकेट द्वारा किया गया। श्रृद्धांजलि सभा के मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता 卐सदस्य 卐पूर्व सचिव सह- अध्यक्ष बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश ने गौर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया और कहा कि शिक्षक ही समाज का नवनिर्माण करता है। विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में बार एसोसिएशन सीतापुर के अध्यक्ष एडवोकेट विजय अवस्थी वरिष्ठ उपाध्यक्ष इशरत अली खां मौजूद रहे। श्रृद्धांजलि सभा की अध्यक्षता छोटे भाई कल्याण सिंह ने की। जयंती के .अवसर पर पूर्व अध्यक्ष शत्रुघन सिंह चौहान ने भी पुष्प अर्पित करते

हुए नमन किया।उनके शिष्य बार एसोसिएशन सीतापुर के अध्यक्ष एडवोकेट विजय कुमार अवस्थी ने पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि गुरुजी ने विकास खण्ड रेउसा के जनता इण्टर कॉलेज किशोर गंज में हमें पढ़ाया था।इसी क्रम में बताया कि एक जुलाई 1937 को ब्लॉक पिसावां की ग्राम सभा बीहट गौर मैं उनका जन्म एक शिक्षक परिवार में हुआ। गुरु जी के पिताजी ठाकुर परम सिद्धेश्वर बख्श सिंह अध्यापक एवं अनुज भ्राता आदित्य प्रताप सिंह प्रवक्ता पद से सेवानिवृत्त हुए हैं प्रत्येक वर्षों की भाँति आज उनकी अट्ठासी वीं जयंती पर नमन करता हूं। इस अवसर पर बृजराज सिंह तोमर, बार एसोसिएशन सीतापुर के अध्यक्ष विजय अवस्थी वरिष्ठ उपाध्यक्ष इशरत अली खां पूर्व अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह चौहान पूर्व अध्यक्ष चन्द्रभाल गुप्ता अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश प्रकाश श्रीवास्तव नरेंद्र त्रिपाठी, रामनारायण लोधी संदीप कुमार गुप्ता संजय कुमार सिंह बृजेश कुमार सिंह अनूप बाजपेई आशीष सिंह गौर, विक्रम सिंह,शैलेंद्र वर्मा,रामचंद्र यादव पुरुषोत्तम अवस्थी,आनंद कुमार चौधरी,राजकुमार श्रीवास्तव ,आदि बहुत से लोगों ने उपस्थित होकर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

निर्माणकर्ताओं पर जब तक कठोर कार्यवाही नहीं होंगी तब तक इस तरह की दुर्घटनायें होती रहेंगी -पंडित राजेश अग्निहोत्री भागवताचार्य

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता

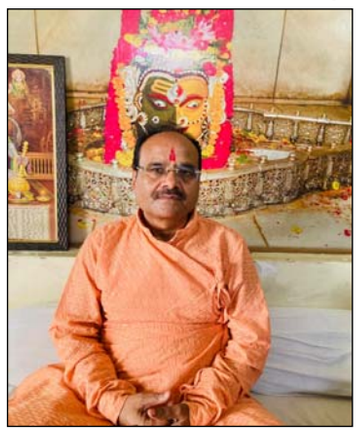

मथुरा - तीन वर्ष पूर्व बनी टंकी धराशाई हो गई। जिसका निर्माण मात्र तीन वर्ष पूर्व हुआ था। टंकी का इतना जल्दी गिर जाना कोई आश्चर्य नहीं लगता।जब एक वर्ष पूर्व अयोध्या में बनी बाउंड्री गिर सकती है, सड़क पर गड्ढे हो सकते हैं इसे तो फिर भी तीन वर्ष हो गए। हालांकि इस टंकी का निर्माण होते समय भी वहां के निवासियों ने विरोध किया था। टंकी बनते ही उसमें से पानी टपकने लगा था इस बात को भी कालोनी निवासियों ने अवगत कराया था परन्तु कोई प्रभाव नहीं पड़ा। हादसे में दो लोगों की मृत्यु हो गई दर्जनों घायल हो गए। कसूर किसका है इसमें? कालोनी वालों का,या ठेकेदार का, या लोकल शासन प्रशासन का,या फिर कम्पनी का।इस हादसे की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जांच के बाद होगा क्या? सरकार द्वारा लाख दो लाख रुपए की सहानुभूति राशि, कुछ अधिकारियों का तबादला,एक दो सस्पेंड। फिर दुबारा वहीं सिलसिला शुरू हो जाएगा। सरकार को चाहिए कि पहले से ही कम्पनी, ठेकेदार, अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। निश्चित किए गए समय पर कार्य पूर्ण होना आवश्यक होना चाहिए,और अवधि से पूर्ण यदि निर्माण ध्वस्त हो जाता है तो कम्पनी या ठेकेदार से चार गुना हर्जाना वसूल करना इसके साथ ही कठोर दण्ड का प्रावधान रखना चाहिए। अन्यथा इस प्रकार की घटनाएं होती रहेंगी। पसीने की कमाई से दिया हुआ टेक्स नष्ट होता रहेगा और आम जनता की मौतों का सस्ता आंकलन होता रहेगा।जबाबदेही सरकार को निश्चित करनी ही पड़ेगी

अपराध पर अंकुश लगाने के लिए एसएसपी ने की अधीनस्थों के साथ बैठक

बरेली। एसएसपी अनुराग आर्य ने अपने अधीनस्थों के साथ शनिवार को बैठक की। इस दौरान उन्होंने आगामी त्योहार को लेकर चर्चाए की बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। किसी बेगुनाहों को परेशान ना किया जाए। थाने से ही फरियादियों को न्याय मिले। उन्हें अधिकारियों के पास भटकने की जरूरत ना हो इसका खास ध्यान रखा जाए। इस दौरान उन्होंने महिला अपराध पर अंकुश लगाने की बात भी की। इसके साथ ही टॉप 1० अपराधियों की लिस्ट बनाकर उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए।

शान्ति समिति की सम्पन्न हुई बैठक, मौजूद लोगों को संशोधित आपराधिक कानूनों के बारे में दी जानकारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले की तहसील महमूदाबाद के अन्तर्गत सदरपुर थाना परिसर में सोमवार की दोपहर थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में शान्ति समिति की बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें पुराने अपराधिक कानूनों में हुये बदलाव की जानकारी दी गयी और? इसी के साथ ही आगामी मोहर्रम त्यौहार पर निकलने वाले ताजियों के अलम जुलूस में तेज ध्वनि से बजने वाले डीजे साउण्ड, लाउडस्पीकरों को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के ग्राम प्रधान,क्षेत्र पंचायत सदस्य, धर्मगुरुओं और गणमान्य लोगों से शासन की ओर से आई नयी गाइड लाइन पर चर्चा की गयी। थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि ब्रिटिश सरकार में बनाये गये पुराने कानूनों की जगह नये कानूनों के लिये 25 दिसम्बर 2023 को संसद में विधेयक पारित हुआ जिसको भारतीय न्याय संहिता 2023 नाम दिया गया है। एक जुलाई 2024 से जो भी अपराध की कायमी होगी वह नयी भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत होगी। उन्होंने बताया कि कानून वही हैं

केवल धाराओं का क्रम इधर से उधर किया गया है। अब आईपीसी की पांच सौ ग्यारह धाराओं की जगह फिलहाल तीन सौ अट्ठावन धाराएं रखी गयी हैं तथा उन्हें सरल भी बनाया गया है।आईपीसी की एक सौ तिरपन धाराओं को खत्म कर दिया गया है।नये कानूनों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गो को सहूलियत मिलेगी। नये कानूनों के तहत गवाही के लिए साठ वर्ष से ऊपर के बुजुर्गो को थाने नहीं बुलाया जायेगा बल्कि पुलिस खुद ही उनके घर जाकर बयान दर्ज करेगी।अब ई-मेसेज के जरिये सम्मन लोगों को भेजे जायेंगे और छोटे छोटे अपराधिक मामलों में सामाजिक दण्ड देने का प्रावधान नये कानूनों में है। मोहर्रम के त्योहार में डीजे बजाने वालों को सख्त निर्देश दिये गये हैं कि बिना अनुमति डीजे बजाने पर पाबंदी लगाई गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि त्यौहारों में अराजकता फैलाने वालों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। बैठक के अन्त में उपस्थित लोगों ने सावधान मुद्रा में खड़े होकर राष्ट्रगान गाया तथा जयकारे लगाये। इस मौके पर उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह, मुकेश कुमार, मनोज सिंह एवं अन्य उप निरीक्षकों के साथ दीवान व आरक्षियों के अलावा मौलाना सलीम नदवी,नईमुद्दीन (हिन्नू),मुनीर अंसारी,जयकरन वर्मा,राकेश नन्द, अनुराग पाठक,सुरेश वर्मा,कलीम शाहपुर,शेख अकबर अली सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक पप्पू भरतौल के भाई का मैरिज हॉल सील

बरेली। 22 जून की सुबह प्लॉट पर कब्जे को लेकर फायरिंग कर शहर में दहशत फैलाने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन कोई नरमी बरतने के मूड में नहीं है। इसी बीच गोलीकांड के आरोपी पूर्व भाजपा विधायक राजेश मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल और उनके परिवार की भी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। वहीं शनिवार को पुलिस फोर्स के साथ पहुंची बीडीए की टीम ने हरूनगला स्थित पूर्व विधायक के भाई के बारात घर लक्ष्य को सील कर दिया इस दौरान पूर्व विधायक का बेटा मौके पर मौजूद रहकर पूरी कार्रवाई देखता रहा। जबकि इससे पहले गुरुवार को बीडीए की टीम ने गैंगवार के मुख्य आरोपी राजीव राणा के होटल और ऑफिस पर बुलडोजर चलाया, जिसके बाद फरार चल रहे राणा ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। वहीं शुक्रवार को बीडीए ने राजीव राणा के दो होटलों सिटी स्टार और सीके वैली को सील कर दिया, बताया जा रहा है कि ये दोनों होटल भी जल्द ही धवस्त किए जाएंगे। जबकि शुक्रवार दोपहर को बीडीए ने अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए फायरिंग करने वाले दूसरे पक्ष के आदित्य उपाध्याय के तीन हजार वर्गगज में बने आलीशान सांवरिया लॉन को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया। वहीं आज शनिवार को प्लॉट पर कब्जे को लेकर हुई फायरिंग में आरोपी बनाए गए पूर्व भाजपा विधायक राजेश मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल के भाई के बारात घर को बीडीए की टीम ने सील कर दिया। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स के साथ ही पीएसी भी मौजूद रही।

नजर सिर्फ मनोरंजक किरदारों पर

कार्तिक आर्यन

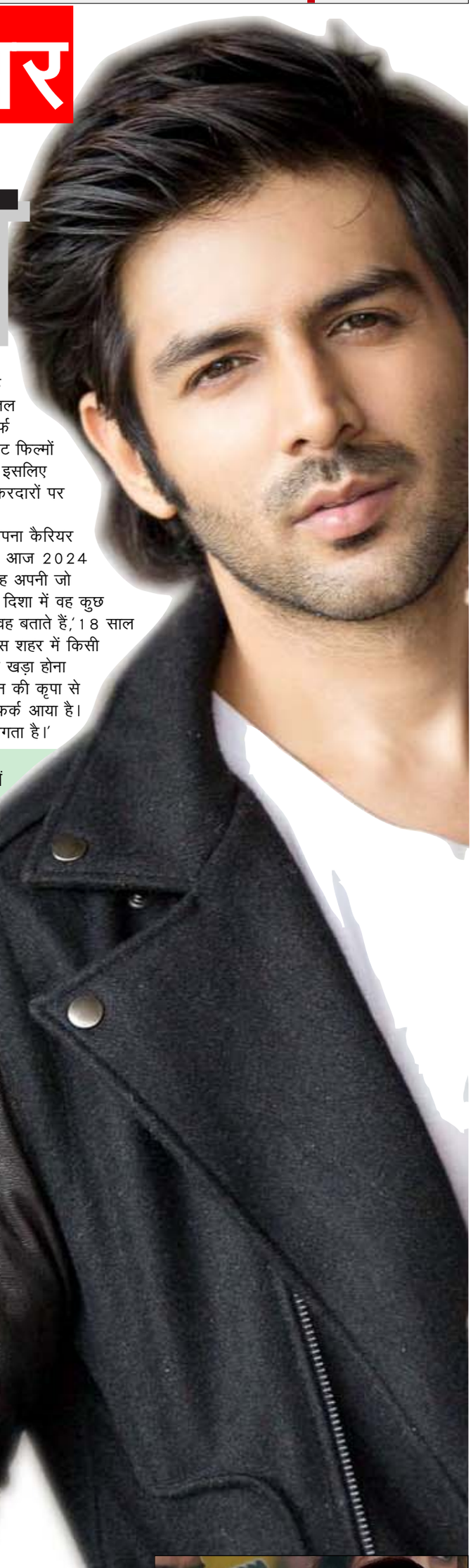

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने फिर कई बार यह साबित किया है कि वह एक अच्छे अभिनेता हैं। मगर उनकी मुश्किल यह है कि फिल्मों के चयन में वह अक्सर सही फैसले नहीं लेते हैं। उनकी सत्यप्रेम की कथा,शहजादा जैसी फिल्में इसकी मिसाल हैं। अब उन्होंने चंदू चैंपियन के जरिये फिर अपने प्रशंसकों को चौंकाने की कोशिश की है,मगरज्जाहिर है अब उनके बारे में एक नई धारणा बनेगी। उनकी ताजा गतिविधियों पर एक नजर-

चंदू का हासिल

चंदू चैंपियन में कार्तिक की मेहनत को नजरअंदाज करना सही नहीं होगा। मगर इसकी फाइनल रिपोर्ट फिर हताशाजनक रही। असल में कार्तिक अभी भी यह बात समझ नहीं पाए कि इस तरह के चैलेंजिंग रोल फिलहाल उनके साथ ज्यादा मेल नहीं खा रहे हैं। इस मामले में वह जरा जल्दबाजी कर रहे हैं। लवरंजन और अनीस बज्मी, जिन दो निर्देशकों को उन्हें लाइम लाइट में लाने का श्रेय जाता है,उनकी फिल्में एकदम हल्की-फुल्की थी। उनके प्रिय निर्देशक अनीस बज्मी भी मानते हैं,उसे अपनी ताजा इमेज के साथ ज्यादा छेड़खानी नहीं करनी चाहिए।

फिर अनीस का सहारा फिल्में एकदम हल्की-फुल्की थी

कार्तिक अब जल्द फिर अनीस के निर्देशन में भूल भुलैया-3 की शूटिंग शुरू करेंगे। इससे पहले इसी सीरीज की दूसरी फिल्म भूल भुलैया-2 ने उन्हें स्टारडम की दौड़ में लंबा उछाल दिया था।

मगर इसके बाद वह फिल्मों के चयन करने के मामले में बहुत ढिलाई बरत गए। तब उनसे एक बड़ी चूक यह हो गई कि उन्होंने जरा भी अपनी फिल्मों पर आत्ममंथन नहीं किया। भूल गये कि कभी प्यार का पंचनामा,सोनू के टीटू की स्वीटी ,लुका-छिपी और पति पत्नी और वह जैसी लाइट फिल्मों ने उन्हें स्टार बनाया है। मगर उन्हें बड़े बैनर,बड़े निर्देशकों की फिल्मों ने इस कदर भरमाया कि एकदम ऑफबीट फिल्में करने लगे।

मध्यवर्गीय हीरो

चंदू चैंपियन के झटके के बाद यह बात उन्हें समझ में आ गई है। इसलिए उन्होंने केवल अनीस ही नहीं, अब लवरंजन की अगली फिल्म को भी प्राथमिकता दी है। इन दोनों की ही फिल्मों में उनका रोल मध्यवर्गीय परिवार के साथ जुड़ा है। वैसे कार्तिक भी ग्वालियर के एक मध्यवर्गीय परिवार से हैं।

चॉकलेटी इमेज से बाहर

कार्तिक मानते हैं कि पहले उनकी इमेज चॉकलेटी ब्वॉय की थी। बाद में अपने दमखम पर इस इमेज की गिरफ्त से काफी हद तक बाहर निकले। वह इसकी वजह बताते हैं,' मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था, कालेज के थर्ड इयर में। तीन-चार साल बाद चेहरे पर परिपक्वता आई है। लवरंजन की सोनू के टीटूज्के मेरे किरदार ने इस मामले में मेरी काफी मदद की। अब मैं इस इमेज की गिरफ्त में नहीं हूं।'लेकिन उनके इस बदलाव को फेडी,चंदू चैंपियन जैसी फिल्मों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। .

सिर्फ अच्छी फिल्में बहरहाल, ताजा झटके से उन्होंने कई नये सबक सीखे हैं। वह कहते हैं,'कमर्शियल या पैरेलल से अलग हटकर अब मैं सिर्फ अच्छी और टोटल इंटरटेनमेंट फिल्मों की परिकल्पना कर रहा हूं। इसलिए अब मेरी नजर मनोरंजक किरदारों पर है।'

अपसेट नहीं कार्तिक ने अपना कैरियर 2011 में प्रारंभ किया था। आज 2024 में उन्हें ऐसा लगता है कि वह अपनी जो पहचान बनाना चाहते थे,उस दिशा में वह कुछ कदम ही आगे बढ़ पाए हैं। वह बताते हैं,'18 साल की उम्र से मैं मुबई में हूं। इस शहर में किसी एक फील्ड में अपने पांव पर खड़ा होना वाकई में मुश्किल है। भगवान की कृपा से मेरे लाइफ स्टाइल में बड़ा फर्क आया है। जो मुझे सपने के माफिक लगता है।'

फवाद खान, मासूम उम्र और वो बीमारी

फवाद खान सिर्फ पाकिस्तान में ही नहीं, इंडिया में भी खूब पॉप्युलर हैं। उन्होंने बॉलीवुड में भी काम किया है। वो %जिंदगी गुलजार है% और %हमसफर% जैसे टीवी शोज के लिए जाने जाते हैं। फैंस का कहना है कि एक्टिंग में उनका कोई सानी नहीं है। फवाद ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वो जब 17 साल के थे, तब उन्हें टाइप-1 डायबिटीज हो गया था। इसके बाद उनकी जिंदगी बदल गई थी। 8 दिनों में उनका वजन करीब 10 किलो घट गया था। थकान रहती थी। कई तरह की परेशानियों को झेलना पड़ा।

फवाद खान ने फ्रीस्टाइल मिडिल ईस्ट को दिए इंटरव्यू में टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित होने और हेल्थ को लेकर अपने स्ट्रगल को याद किया। उन्होंने खुलासा किया कि बीमारी का पता चलने और ट्रीटमेंट के दौरान उनका वजन करीब 10 किलो कम हो गया था।

फवाद खान ने कहा, %जब मैं 17 साल का था तो मेरा शरीर ऑटो-इम्यून रिस्पॉन्स से गुजरा। मुझे तेज बुखार आ गया, जिसके बाद आठ दिनों में मेरा वजन लगभग 10 किलो कम हो गया। मैं पहले 65 किलो का था और 17 साल की उम्र में घटकर 55 किलो का हो गया।%

6-7 लीटर पानी पीने के बाद भी लगती थी प्यास

उन्होंने आगे कहा, %फिर उसके अगले दिन मेरी प्यास बहुत बढ़ गई। इसे पॉल्यूरिया कहा जाता है, जिसका मतलब है कि आप बार-बार बाथरूम जा रहे हैं और आपको लगातार यूरीन करने की आवश्यकता होती है, क्योंकि आप बहुत सारा पानी पी रहे हैं। मैं छह-सात लीटर पानी पीऊंगा और मेरा मुंह अभी भी सूखा रहेगा, क्योंकि मैं डिहाइड्रेट कर रहा था।%थकान महसूस होती थी

अपनी लाइफ पर ट्रीटमेंट के प्रभाव के बारे में बोलते हुए फवाद ने कहा कि उन्हें थकान महसूस होती थी। वो बोले, %मैं स्कूल में बहुत एक्टिव था। हर गेम खेलता था, लेकिन डायबिटीज के बाद ये जीरो हो गया। स्पोर्ट्स में मेरी दिलचस्पी बिल्कुल खत्म हो गई। शुरुआती दो-तीन महीनों तक हमेशा थकान महसूस होती थी।%

%खूबसूरत% से बॉलीवुड में किया था डेब्यू

फवाद खान ने एक्टिंग करियर की शुरुआत %जट एंड बॉन्ड% से की थी। हालांकि, उन्हें टीवी सीरियल %जिंदगी गुलजार है% और %हमसफर% से पॉप्युलैरिटी मिली थी। उन्होंने शशांक घोष की %खूबसूरत% से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसमें सोनम कपूर, रत्ना शाह पाठक और किरण खेर जैसे स्टार्स थे। फिर वो %कपूर एंड संस% में आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा संग नजर आए।फवाद खान का नया शो पाकिस्तान के साथ इंडिया में भी दिखाया जाएगा। इंडिया में यह शो अगले महीने ʻश्वश्व5 पर प्रीमियर होगा। बता दें, लगभग छह साल के बाद भारतीय प्रशंसक अपने पसंदीदा पाकिस्तानी अभिनेता का दीदार कर पाएंगे।

पाकिस्तान के मशहूर अभिनेता फवाद खान लगभग 12 साल के बाद टीवी स्क्रीन पर वापसी करने जा रहे हैं। अभिनेता शो %बरज़ख% में अभिनेत्री सनम सईद के साथ नजर आएंगे, जिसका टीजर रिलीज हो गया है। टीवी स्क्रीन पर फवाद की वापसी ने फैंस को पागल कर दिया है। फैंस अभिनेता के नए शो के प्रीमियर को लेकर काफी उत्साहित हैं।

फवाद खान का नया शो पाकिस्तान के साथ इंडिया में भी दिखाया जाएगा। इंडिया में यह शो अगले महीने ʻश्वश्व5 पर प्रीमियर होगा। बता दें, लगभग छह साल के बाद भारतीय प्रशंसक अपने पसंदीदा पाकिस्तानी अभिनेता का दीदार कर पाएंगे। फवाद आखिरी बार रणबीर कपूर की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में नजर आये थे। उरी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव आने के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री में पाकिस्तानी कलाकरों के काम करने पर बैन लग गया था, जिसके बाद से सरहद पार का कोई भी सितारा किसी भी फिल्म में नजर नहीं आया है।

खान लंबे समय से पाकिस्तानी इंडस्ट्री से भी गायब थे। उन्होंने छह साल बाद 2022 में द लीजेंड ऑफ़ मौला जट्ट से बड़ी स्क्रीन पर वापसी की। इसके बाद अभिनेता ने %मिस मार्वल% सीरीज से अपना हॉलीवुड डेब्यू किया था।

असीम अब्बासी द्वारा निर्देशित, बरज़ख (पुर्गेटरी) एक 76 वर्षीय एकांतप्रिय व्यक्ति के बारे में है जो अपने बच्चों और पोते-पोतियों को अपने पहले प्यार के भूत से अपनी तीसरी शादी का जश्न मनाने के लिए घर बुलाता है। यह छह-एपिसोड की सीरीज़ भारत में 19 जुलाई को ʻश्वश्व5 पर प्रीमियर होने वाली है। खान उस व्यक्ति के बेटे शहरयार खानज़ादा की भूमिका निभा रहे हैं। यह शो पहली बार 2023 में फ्रांस में प्रतिष्ठित सीरीज़ मेनिया फेस्टिवल में रिलीज़ किया गया था।

सासु मां को पसंद आई कैटरीना की ये आदत

दिसंबर 2021 में शादी के बंधन में बंधे कौशल और कैफ जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे। कौशल (36) से शुक्रवार की शाम उनकी आने वाली फिल्म ''बैड न्यूज'' के 'ट्रेलर लांचिंग' के मौके पर इस अफवाह के बारे सवाल पूछा गया। पत्नी कैटरीना कैफ के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद करने की अफवाहों के बारे में प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता विक्की कौशल ने कहा है कि वह समय आने पर दुनिया के साथ यह खुशखबरी साझा करेंगे। फिल्म उद्योग में अटकलें लगाई जा रही हैं कि दिसंबर 2021 में शादी के बंधन में बंधे कौशल और कैफ जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे। कौशल (36) से शुक्रवार की शाम उनकी आने वाली फिल्म ''बैड न्यूज'' के 'ट्रेलर लांचिंग' के मौके पर इस अफवाह के बारे सवाल पूछा गया। अभिनेता ने पत्रकारों से कहा, ''जब खुशखबरी होगी तब मैं जरूर आपको बताऊंगा। जब समय आएगा हम खुशखबरी की घोषणा करने में संकोच नहीं करेंगे।'' तृप्ति डिमरी और एमी विर्क अभिनीत ''बैड न्यूज'' सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें जुड़वा बच्चों की एक ही मां और अलग-अलग जैविक पिता होते हैं। फिल्म का निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले कौशल के साथ उनकी 2018 में पहली निर्देशित फिल्म ''लव पर स्क्वायर फुट'' में काम किया था। ''बैड न्यूज'' का निर्माण अमेजन प्राइम की ओर से धर्मा प्रोडक्शन और लियो मीडिया कलेक्टिव के सहयोग से किया गया है। विक्की कौशल त्रिप्ति डिमरी और एमी विर्क के साथ एक अनोखी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म %बैड न्यूज़% लेकर आने वाले हैं। मुंबई में आयोजित फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में, जब विक्की ने फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया, तो उनसे उनकी असल जिंदगी में आई %गुड न्यूज़% के बारे में पूछा गया। विक्की कौशल त्रिप्ति डिमरी और एमी विर्क के साथ एक अनोखी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म %बैड न्यूज़% लेकर आने वाले हैं। मुंबई में आयोजित फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में, जब विक्की ने फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया, तो उनसे उनकी असल जिंदगी में आई %गुड न्यूज़% के बारे में पूछा गया। हाल ही में, विक्की और उनकी पत्नी कैटरीना कैफ के अपने पहले बच्चे के गर्भवती होने की अफवाहें उड़ी थीं, खासकर लंदन से उनका एक वीडियो सामने आने के बाद। इवेंट में प्रेग्नेंसी की अफवाहों का जिक्र करते हुए, विक्की से पूछा गया कि दर्शकों को उनकी असल जिंदगी की खुशखबरी कब सुनने को मिलेगी, जिस पर उन्होंने जवाब दिया, 卐अभी के लिए आप बुरी खबरें एन्जॉय कर लो, जो हम ला रहे हैं। जब उसका (अच्छी खबर) टाइम आएगा, तो हम यह खबर देने से पीछे नहीं हटेंगे।卐 बैड न्यूज़ के ट्रेलर में भी कैटरीना का जिक्र है और विक्की ने बताया कि ट्रेलर लॉन्च होने तक उनकी पत्नी ने अभी तक वह नहीं देखी थी। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने उसे केवल संकेत दिया था कि वह इसका एक हिस्सा है, जिससे वह भ्रमित हो गई थी। बैड न्यूज़ हेटेरोपैटरनल सुपरफेकंडेशन के एक दुर्लभ मामले को दर्शाती है, जहाँ दो अलग-अलग अंडों को एक महिला के एक ही मासिक धर्म चक्र में दो अलग-अलग पुरुषों के शुक्राणु कोशिकाओं द्वारा निषेचित किया जाता है और इसका निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है, जिन्होंने पहले विक्की की लव पर स्क्वायर फुट का निर्देशन किया था।

'इतने सालों में बिल्कुल नहीं बदले अजय देवगन'

अजय देवगन और तब्बू एक बार फिर फिल्म 'औरों में कहां दम था' में एक साथ नजर आने वाले हैं। नीरज पांडे के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन और तब्बू के अलावा जिमी शेरगिल, शांतनु माहेश्वरी, सई मांजरेकर दिखाई देंगे। यह फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म को लेकर तब्बू और नीरज पांडे ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत की।

तब्बू जी, हर फिल्मों में अपनी एक अलग छाप कैसे छोड़ती हैं?

कोई भी किरदार दर्शकों पर कितना अच्छा असर डाल रहा है, ये केवल हमारी कोशिश करने से नहीं होता है। कई बार किरदार ही इतना अलग होता है कि वो आपका सिग्नेचर बन जाता है। इसके अलावा मेरे लिए ये जरूरी होता है कि फिल्म कौन बना रहा है ? नीरज पांडे के साथ मेरा काम करने का मन बहुत पहले से था। बहुत लोग मुझसे कहते थे कि नीरज पांडे के साथ काम करो। मैं कहती थी कि एक दिन जरूर उनके साथ काम करुंगी।

'औरों में कहां दम था' करने में सबसे ज्यादा एक्साइटमेंट किस बात की थी?

सबसे पहले तो मुझे इस फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत ज्यादा पसंद आई थी। क्योंकि नीरज पांडे की फिल्मों में बहुत अलग तरह का लव एंगल होता है। इस फिल्म में नीरज, अजय और मैं हूं, तो इससे ज्यादा एक्साइटमेंट और क्या होगा? यह फिल्म करने के लिए इतना सब होना काफी था, क्योंकि मैं जानती थी कि जो होगा अच्छा होगा।

नीरज जी, आपको बतौर एक्टर तब्बू के अंदर क्या खास बात लगी?

इनमें बहुत क्षमता है ,जो अभी दर्शकों के सामने पूरी तरह से नहीं आई है। इनका बेस्ट पार्ट ये है कि किसी प्रोजेक्ट से जुड़ती हैं तो उसे पूरी तरह से अपना लेती हैं। तब्बू केवल अपने कैरेक्टर को नहीं समझती हैं, वो पूरी फिल्म को समझकर उसे अपना लेती हैं।

तब्बू जी,क्या अजय देवगन के साथ दोस्ती होने से स्क्रीन पर काम ज्यादा अच्छा होता है?

इस बात को मैं यकीन के साथ नहीं कह सकती हूं। अब क्योंकि हम दोस्त हैं, तो मैं ये नहीं बता सकती कि दोस्ती न होती तो हमारी केमिस्ट्री स्क्रीन पर कैसी दिखाई देती। उनके साथ काम करने में अच्छा लगता है। वे इतने सालों में बिल्कुल भी नहीं बदले हैं। वे सेट पर सभी के साथ बहुत प्रैंक करते हैं। हालांकि, उन्होंने मेरे साथ कभी नहीं किया, क्योंकि मैं तुरंत पकड़ लेती हूं।

तब्बू जी, इस फिल्म में आप बासु का किरदार निभा रही हैं, सबसे ज्यादा क्या पसंद आया?

मुझे बासु के कैरेक्टर में सबसे ज्यादा उसकी खामोशी पसंद है। बासु कहीं न कहीं मेरे असल कैरेक्टर से मिलती-जुलती है। मैं बहुत कम एक्सप्रेसिव हूं, जल्दी लोगों से घुल-मिल नहीं पाती हूं।

नीरज जी आप ओटीटी और सिनेमा दोनों से जुड़े हैं, ह्रअअ के आने से सिनेमा में कितना बदलाव आया और इससे दर्शक कितना जुड़े हैं?

ह्रअअ के आने से दर्शकों के पास ऑप्शन ज्यादा हो गए हैं। ये फिल्ममेकर्स के लिए थोड़ा चैलेंजिंग भी हो गया है। मेकर्स को अपने सोचने का दायरा बढ़ाना पड़ेगा।

अजय के साथ 'दृश्यम 3' की शूटिंग कब तक शुरू होगी?

फिलहाल 'दृश्यम 3' के बारे में कोई बात नहीं चल रही है। जब कुछ होगा तो सभी को पता चल जाएगा। बता दें, %दृश्यम% 2015 में रिलीज हुई थी। इसके बाद %दृश्यम 2% 2022 में आई थी। अब दर्शकों को %दृश्यम 3% का इंतजार है।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

जय शाह ने की इनाम की घोषणा

बीसीसीआई ने विश्व विजेता टीम के लिए पुरस्कार का एलान किया, बोर्ड देगा इतनी इनामी राशि

नई दिल्ली। भारत ने बारबाडोस में खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराया था और दूसरी बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 17 साल बाद टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शनिवार को टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण प्रदर्शन से अपने आलोचकों को चुप करा दिया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों के लिए पुरस्कार का एलान किया है। भारत ने बारबाडोस में खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराया था और दूसरी बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 17 साल बाद टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारतीय टीम का यह 11 साल में पहला आईसीसी खिताब है। जय शाह ने की इनाम की घोषणा बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने टी20 विश्व कप की विजेता टीम को 125 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। जय शाह ने एक्स पर लिखा, मुझे आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 की विजेता भारतीय टीम के लिए 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सभी खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को बधाई। श्भारतीय टीम ने आलोचकों का मुंह बंद कियाश् बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण प्रदर्शन से अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। जय शाह ने एक बयान में कहा, रोहित शर्मा के असाधारण नेतृत्व में, इस टीम ने उल्लेखनीय संकल्प और लचीलापन दिखाया है, जिस कारण भारत आईसीसी टी20 विश्व कप के इतिहास में टूर्नामेंट को अजेय रहते जीतने वाला पहला देश बना। टीम ने लगातार शानदार प्रदर्शन से अपने आलोचकों का मुंह बंद किया है और उन्हें चुप करा दिया है। टीम का सफर किसी प्रेरणा से कम नहीं है और आज वे दिग्गज लोगों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने टीम की कड़ी मेहनत की भी प्रशंसा की और कहा, इस टीम ने अपने समर्पण, कड़ी मेहनत और अदम्य जज्बे से सभी को गौरवान्वित किया है। रोहित शर्मा के नेतृत्व में और विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और अन्य खिलाड़ियों की मदद से उन्होंने 1.4 अरब भारतीयों के सपनों और उम्मीदों को पूरा किया है।

तीसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए कौशल को निखारने पर पी वी सिंधू का फोकस

रियो और तोक्यो में पिछले दो ओलंपिक में क्रमशरू रजत और कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू का लक्ष्य तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का है। सिंधू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ), भारतीय ओलंपिक संघ और भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित बातचीत के दौरान कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है। यह आसान नहीं है, पर असंभव भी नहीं है।''

नयी दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शारीरिक और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में हैं लेकिन उन्हें महसूस होता है कि ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें और अधिक 'चतुर ' होने की जरूरत है।

रियो और तोक्यो में पिछले दो ओलंपिक में क्रमशरू रजत और कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू का लक्ष्य तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का है। सिंधू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ), भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) द्वारा आयोजित बातचीत के दौरान कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है। यह आसान नहीं है, पर असंभव भी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है, पर स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।

'' वह अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्ट्स्क्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी। सिंधू ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस (द्वी सैंटोसो) इसका ध्यान रख रहे हैं। मेरे ट्रेनर भी ध्यान रख रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में परफेक्ट होना महत्वपूर्ण है। '' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं। आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है। ऐसे खिलाड़ी हैं जो काफी समझदार हैं और रणनीति में बदलाव करके प्लान बी पर आ जाते हैं। आपको इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। मेरा फोकस अभ्यास करने पर है।

रिटायरमेंट के बाद दिनेश कार्तिक की आरसीबी में हुई वापसी, इस नई भूमिका में आएंगे नजर

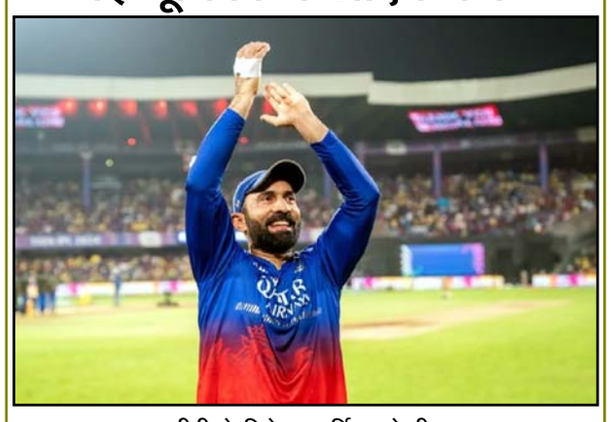

दरअसल, आरसीबी ने दिनेश कार्तिक को टीम का नया बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर नियुक्त किया है। फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। कार्तिक ने जून की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया था। इस दौरान उन्होंने अपने रिटायरमेंट के दौरान कहा था कि, आगने आने वाली नई चुनौतियों पर वो अपना ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

आरसीबी ने हाल ही में रिटायर हुए विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को टीम में नई जिम्मेदारी के साथ जोड़ा है। दरअसल, आरसीबी ने दिनेश कार्तिक को टीम का नया बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर नियुक्त किया है। फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। कार्तिक ने जून की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया था। इस दौरान उन्होंने अपने रिटायरमेंट के दौरान कहा था कि, आगने आने वाली नई चुनौतियों पर वो अपना ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। आरसीबी ने एक्स पर कार्तिक का एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि, हर मायने में हमारे विकेटकीपर, दिनेश कार्तिक का आरसीबी में बिल्कुल नए अवतार में स्वागत है। डीके आरसीबी पुरुष टीम के बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर होंगे। वहीं अपनी 39वें जन्मदिन पर संन्यास लेने वाले दिनेश कार्तिक ने कहा कि, पेशेवर स्तर पर कोचिंग करना मेरे लिए बेहद रोमांचक है और ये मेरे जीवन के नए अध्याय के रूप में मेरे लिए वाकई जुनूनी है। उम्मीद है कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरे अनुभवों की व्यापकता समूह के विकास में योगदान दे सकेगी और अतिरिक्त मूल्य ला सकेगी।

बारबाडोस में 11 साल का इंतजार खत्म करने उतरेगी टीम इंडिया

ब्रिजटाउन। टी20 विश्व कप 2024 में टीम इंडिया और द.अफ्रीका दो ऐसी टीमें हैं, जो अब तक एक भी मैच हारे बिना फाइनल में पहुंची हैं। दोनों टीमों के पास ट्रॉफी जीतने का माद्दा है। इसलिए यह मुकाबला %बेस्ट' बनाम %बेस्ट' का है, यानी क्रिकेट फैंस को खिताबी जंग में रोमांच का भरपूर तड़का मिलने वाला है। इस खिताबी जंग में टीम इंडिया थोड़ी ज्यादा मजबूत नजर आती है। इसकी वजह मजबूत गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजों का दमदार प्रदर्शन है। वहीं, अफ्रीकी गेंदबाजी बेहद खतरनाक है, लेकिन बल्लेबाज़ी के पैमाने पर अफ्रीकी टीम भारत से कमजोर नजर आ रही। इस विश्व कप में क्विंटन डिकॉक, डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स ही बल्ले से उल्लेखनीय योगदान दे सके हैं। लेकिन इनके प्रदर्शन में भी निरंतरता का अभाव रहा है। हेनरिक क्लासन, रीजा हेंड्रिक्स और कप्तान एडन मार्करम का बल्ला ज्यादा नहीं चला है। टीम इंडिया अपना आईसीसी ट्रॉफी का 11 साल पुराना सूखा खत्म करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पिछले एक साल में यह तीसरा मौका होगा, जब भारतीय टीम आईसीसी टूर्नामेंट के खिताबी जंग में अपनी दावेदारी पेश करेगी। हालांकि, इससे पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। मगर, इस बार रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम पहले से भी ज्यादा फॉर्म में और मजबूत नजर आ रही है। दूसरी तरफ, दक्षिण अफ्रीका है, जिसने आखिरकार चोकर्स का टैग मिटाकर पहली बार किसी विश्वकप के फाइनल में प्रवेश किया है। एडन मार्कराम की अगुवाई वाली टीम अपनी जीत की लय को कायम रखते हुए इस बार ट्रॉफी के साथ घर लौटना चाहेगी। कुल मिलाकर यह मुकाबला मौजूदा टूर्नामेंट में %बेस्ट' बनाम %बेस्ट' का है। इसलिए रोमांच भरपूर होगा। दिलचस्प बात यह है कि इन दोनों टीमों में से जो भी फाइनल जीतेगी।

मजदूर एकता जिन्दाबाद ! भारतीय जनता – जिन्दाबाद !! जय जवान, जय किसान !!!

राष्ट्रीय तीसरा विकल्प पार्टी
(गरीबों, मजदूरों, किसानों, शोषितों के लिए गठित दल)
राष्ट्रीय मुख्यालय : न्यू गड़ौरा, बेहसा, शहीदपथ, कानपुर रोड, लखनऊ

मा. सुरेन्द्र शर्मा
''संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष''

श्री हिमांशू त्रिपाठी
''राष्ट्रीय उपाध्यक्ष'' (एडवोकेट)

श्री भरत व्यास गौतम
''राष्ट्रीय महासचिव''

श्री रजनीश कुमार
''राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष''

भारतीय मजदूर किसान संगठन (राष्ट्रवादी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गांव-गांव जाकर अपनी जनता का हाल देखा और जाना कि कैसे अन्य पुराने राजनैतिक दलों ने 75 वर्षों से लोगों का शोषण किया है? आज गरीब मजदूर किसान नर्कीय जीवन जीने को मजबूर है। मोदी सरकार ने लोगों को आवास व शौचालय दिये परन्तु अनियंत्रित अधिकारियों ने प्रधानों ने जमकर लूट करी, जिससे सुविधायें उचित जगह तक नहीं पहुँच पायीं । उदासीन सरकार के कारण जनता त्रस्त है व त्राहि-त्राहि कर रही है। गरीबों, मजदूरों, किसानों, छात्रों व महिलाओं के विकास के लिए राष्ट्रीय तीसरा विकल्प अति आवश्यक होगा ।

SPORTS न्यूज़

भारत के आगे इंग्लैंड का सरेंडर, अब खिताबी जंग में सामने द. अफ्रीका

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 का फाइनल मुकाबला 29 जून को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान और भारत ने बारिश से बाधित मैच में इंग्लैंड को हरा कर फाइनल में जगह बनाई। टी20 विश्व कप का खिताबी मैच टीम इंडिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें अभी तक टूर्नामेंट में अजेय रही है। फैंस को एक रोमांचक मुकाबले का इंतजार है। मौजूदा टूर्नामेंट में पहली बार ये दोनों टीमें आमने-सामने होगी। फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया केंसिंग्टन ओवल की परिस्थितियों से थोड़ी वाकिफ होगी, क्योंकि इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम यहां एक मैच खेल चुकी है, वहीं दक्षिण अफ्रीका यहां पहली बार खेलेगी। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में जीत के साथ ही 2014 के बाद टीम इंडिया पहली बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। गुयाना की पिच बल्लेबाजी के लिए काफी मुश्किल थी। यहां स्पिनरों का बोलबाला था। गेंद अनचाही उछाल ले रही थी, तो कुछ गेंद मानों जमीन छोड़ने को तैयार नहीं थी, काफी नीचे रह रही थी। इस पिच पर हर कोई परेशान दिखा। मगर, टीम इंडिया ने हार नहीं मानी और मैच जीतने के लिए अपनी पूरी जान लगा दी। भारत की इस जीत में कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने बल्ले से काफी अहम भूमिका निभाई। वहीं, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और जडेजा ने अंतिम ओवरों में महत्वपूर्ण रन जुटाए जो अंत में विनिंग मार्जिन साबित हुई। पहली पारी में भारत ने 171 रनों का स्कोर बनाया, जिसके जवाब में इंग्लैंड की पूरी टीम सिर्फ 103 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। गेंद के साथ कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने मैच जिताऊ गेंदबाजी की। अक्षर और कुलदीप ने तीन-तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी को तहस-नहस कर दिया। वहीं जसप्रीत बुमराह समेत अन्य गेंदबाजों ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। इस जीत के साथ भारत जहां ट्रॉफी से मात्र एक कदम दूर है, वहीं उसने ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड से भी अपना पुराना हिसाब चुकता कर लिया। दरअसल, एडिलेड में करीब 2 साल पहले जिस इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में टीम इंडिया को एकतरफा अंदाज में हराकर बाहर किया था, उसी इंग्लैंड को रोहित शर्मा की टीम इंडिया ने उतने ही बुरे अंदाज में हराकर हिसाब बराबर कर लिया। फाइनल में टीम इंडिया का सामना दक्षिण अफ्रीका से है। भारतीय फैंस को उम्मीद है कि टीम इंडिया इस बार ट्रॉफी के साथ ही देश लौटेगी।

आर्टिस्ट ने कोयले से बनाई रोहित की खास तस्वीर, खिताबी जंग के लिए दी शुभकामनाएं

अमरोहा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शनिवार रात 8 बजे से टी20 विश्व कप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। बारबाडोस में होने वाले फाइनल मैच से पहले देश भर में प्रार्थनाओं का दौर शुरू हो गया है। हर कोई अपने-अपने अंदाज में भारत की जीत की दुआ मांग रहा है। ऐसी ही कुछ तस्वीर अमरोहा से भी आई है, लेकिन यह तरीका थोड़ा अनोखा है। अमरोहा के एक आर्टिस्ट जुहैब खान ने कोयले से रोहित शर्मा की एक स्पेशल तस्वीर बनाई और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा का कोयले से पोर्ट्रेट बनाया और टीम इंडिया को शुभकामनाएं देते हुए पूरी टीम के लिए एक खास मैसेज में बेस्ट ऑफ लक लिखा। भारतीय क्रिकेट फैंस में टी20 विश्व कप को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। क्या बच्चे, क्या बूढ़े, हर कोई भारत माता की जय और जीतेगा इंडिया के नारे लगा रहा है। ऐसे कई वीडियो सोशल मीडिया पर आए हैं, जिसमें फैंस हाथ में तिरंगा और विराट कोहली-रोहित शर्मा की फोटो लिए जश्न में डूबे हैं। टी20 विश्व कप 2024 में टीम इंडिया और दक्षिण अफ्रीका दो ऐसी टीमें हैं, जो अब तक एक भी मैच हारे बिना फाइनल में पहुंची है। इन दोनों में जो भी टीम ट्रॉफी जीतेगी वो टूर्नामेंट के सभी मैच जीतते हुए टी20 ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। नॉकआउट में भारत को 57 प्रतिशत सफलता मिली, जबकि दक्षिण अफ्रीका का यह रिकॉर्ड काफी खराब है। उसने 67 प्रतिशत नॉकआउट मैच गंवाए। दोनों ही टीमें शानदार फॉर्म में है और एक दूसरे को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। टीम इंडिया अपना आईसीसी ट्रॉफी का 11 साल पुराना सूखा खत्म करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। जबकि दक्षिण अफ्रीका सभी प्रारूपों में पिछले सात विश्व कप सेमीफाइनल में हार के बाद पहली बार फाइनल में है। टूर्नामेंट के इतिहास में टी20 विश्व कप में दोनों टीमें छह बार आमने-सामने हुई है, जिसमें भारत का पलड़ा 4-2 से भारी रहा है। मौजूदा टूर्नामेंट में भी भारत का पलड़ा अफ्रीकी टीम के मुकाबले हावी नजर आ रहा है। भारतीय टीम ने मजबूत गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं, अफ्रीकी गेंदबाजी बेहद खतरनाक है, लेकिन बल्लेबाजी के पैमाने पर अफ्रीकी टीम थोड़ी कमजोर रही। रोहित शर्मा एंड कंपनी के पास मौका, माहौल, मोमेंटम, दस्तूर सब कुछ है। इस मुकाबले को लेकर पूरे देश में गजब का उत्साह है। दिलचस्प बात यह है कि कई शहरों में जगह-जगह मैच देखने के लिए इंतजाम किए गए हैं और क्रिकेट प्रेमी इस ऐतिहासिक दिन को त्योहार की तरह मना रहे हैं।

ओएनडीसी के जरिए 5 लाख एमएसएमई की मदद करेगी सरकार, महिलाओं को 50प्रतिशत फायदा

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से पांच लाख एमएसएमई को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) पर लाने का फैसला किया गया है। इन इनिशिएटिव को %एमएसएमई टीम' नाम दिया गया है। इसके तहत पांच लाख एमएसएमई को ओएनडीसी पर लाने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके अलावा अकाउंट मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग और कैटलॉग बनाने में भी मदद दी जाएगी। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि इस योजना के तहत आधा फायदा महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई को मिलेगा। आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में एमएसएमई की बड़ी भूमिका है। उन्होंने आगे कहा कि तेजी से बदलते वातावरण में एमएसएमई को डिजिटल और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन अपनाने चाहिए। मंत्रालय की ओर से एक अन्य पहल %यशस्विनी' भी शुरू की गई है। इसका उद्देश्य महिला-स्वामित्व वाले अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों को औपचारिक बनाना और उन्हें क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करना है। इसके तहत चालू वित्त वर्ष में एमएसएमई मंत्रालय द्वारा अभियान की एक पूरी श्रृंखला लॉन्च की जाएगी। इसका फोकस टियर 2 और टियर 3 शहरों पर होगा। एमएसएमई मंत्री ने जोर देते हुए कि कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुसार, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और भीतरी इलाकों में, एक समावेशी और केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से प्रयास को गहरा और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

इमर्जिंग मार्केट्स बॉन्ड इंडेक्स में आज शामिल होगा भारत, अर्थव्यवस्था पर होगा सकारात्मक असर

मुंबई। भारतीय बॉन्ड या सरकारी बॉन्ड को शुक्रवार से जेपी मॉर्गन इमर्जिंग मार्केट्स बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किया जाएगा। इस इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड का शामिल होना काफी अहम माना जा रहा है। पहली बार इस इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड शामिल होंगे और इसे पूरी दुनिया में ट्रैक किया जाता है। जेपी मॉर्गन इमर्जिंग मार्केट्स बॉन्ड इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड का वेटेज 10 प्रतिशत होगा। भारत के सरकारी बॉन्ड के वेटेज को धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से 28 जून, 2024 से लेकर 31 मार्च, 2025 तक यानी 10 महीने में एक-एक प्रतिशत कर इस इंडेक्स में बढ़ाया जाएगा। एचएसबीसी होल्डिंग्स के मुताबिक, गवर्नमेंट बॉन्ड इंडेक्स-इमर्जिंग मार्केट्स (जीबीआई -ईएम) में शामिल होने से भारत में 30 अरब डॉलर का फंड इनफ्लो देखने को मिल सकता है। जेपी मॉर्गन की ओर से सितंबर 2023 में भारतीय बॉन्ड्स को जीबीआई-ईएम में शामिल करने का ऐलान किया गया था, तब से लेकर अब तक 10 अरब डॉलर से ज्यादा का इनफ्लो भारतीय बॉन्ड में आ चुका है। जीबीआई-ईएम में शामिल होने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर कई सकारात्मक प्रभाव होंगे। गवर्नमेंट बॉन्ड इंडेक्स-इमर्जिंग मार्केट्स में शामिल होने से विदेशी निवेश में तेजी आएगी। विदेशी निवेश आने से भारत के सरकारी बॉन्ड की मांग बढ़ेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।